राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार7 नवम्बर2020 वर्ष–3, अंक –282 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शादी के लिए धर्म परिवर्तन जरूरी नहीं...

इलाहाबाद HC के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश को खारिज करने का अनुरोध किया। इस आदेश में केवल शादी के लिए धर्मांतरण को अमान्य बताया गया था। याचिका में कहा गया कि अगर अदालत एक व्यक्ति को खुले तौर पर अपना धर्म चुनने की आजादी नहीं देती है, तो यह संविधान के तहत प्रदत्त उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है।

याचिका में उस जोड़े को तुरंत पुलिस सुरक्षा मुहैया कराने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया जिसकी याचिका उच्च न्यायालय ने खारिज कर दी थी। वकील अल्दनीश रेन ने विवाहित जोड़े को पुलिस सुरक्षा मुहैया कराने के संबंध में उच्च न्यायालय के इनकार के आदेश के खिलाफ याचिका दायर की है। मामले में एक मुस्लिम महिला ने हिंदू धर्म अपनाकर हिंदू युवक के साथ शादी की थी। उच्च न्यायालय ने पिछले दिनों जोड़े की याचिका को ठुकरा दिया था। इसमें पुलिस और महिला के पिता को उनकी शादी में बाधा नहीं डालने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था। अदालत ने कहा कि महज शादी के लिए धर्मांतरण मान्य नहीं है। याचिका में कहा गया कि विभिन्न उच्च न्यायालयों में विशेष विवाह कानून 1954 के प्रावधानों को चुनौती देने वाले लंबित सभी मामलों को इस न्यायालय में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। इस पर सुनवाई होनी चाहिए ताकि समूचे देश में कानून में एकरूपता लाई जाए। कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए इसमें उचित संशोधन की सिफारिश को लेकर विकल्प के तौर पर एक कमेटी का गठन होना चाहिए।

घर की चारदीवारी के अंदर SC/ST पर अपमानजनक टिप्पणी अपराध नहीं-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) से संबंधित किसी व्यक्ति के खिलाफ घर की चारदीवारी के अंदर किसी गवाह की अनुपस्थिति में की गई अपमानजनक टिप्पणी अपराध नहीं है। इसके साथ ही न्यायालय ने एक व्यक्ति के खिलाफ एससी-एसटी कानून के तहत लगाए गए आरोपों को रद्द कर दिया, जिसने घर के अंदर एक महिला को कथित तौर पर गाली दी थी। न्यायालय ने कहा कि किसी व्यक्ति का अपमान या धमकी अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति कानून के तहत अपराध नहीं होगा। जब तक कि इस तरह का अपमान या धमकी पीड़ित के अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति से संबंधित होने के कारण नहीं है।

न्यायालय ने कहा कि एससी व एसटी कानून के तहत अपराध तब माना जाएगा जब समाज के कमजोर वर्ग के सदस्य को किसी स्थान पर लोगों के सामने अभद्रता, अपमान और उत्पीड़न का सामना करना पड़े। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति हेमंत गुप्ता और न्यायमूर्ति अजय रस्तोगी की पीठ ने कहा, तथ्यों के मद्देनजर हम पाते हैं कि अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) कानून, 1989 की धारा 3 (1) (आर) के तहत अपीलकर्ता के खिलाफ आरोप नहीं बनते हैं। इसलिए आरोपपत्र को रद्द किया जाता है। इसके साथ ही न्यायालय ने अपील का निपटारा कर दिया। पीठ ने कहा कि हितेश वर्मा के खिलाफ अन्य अपराधों के संबंध में प्राथमिकी की कानून के अनुसार सक्षम अदालतों द्वारा अलग से सुनवाई की जाएगी। पीठ ने अपने 2008 के फैसले पर भरोसा किया और कहा कि इस अदालत ने सार्वजनिक स्थान और आम लोगों के सामने किसी भी स्थान पर अभिव्यक्ति के बीच अंतर को स्पष्ट किया था। न्यायालय ने कहा कि यह कहा गया था कि यदि भवन के बाहर जैसे किसी घर के सामने लॉन में अपराध किया जाता है, जिसे सड़क से या दीवार के बाहर लेन से किसी व्यक्ति द्वारा देखा जा सकता है तो यह निश्चित रूप से आम लोगों द्वारा देखी जाने वाली जगह होगी। पीठ ने कहा कि प्राथमिकी के अनुसार, महिला को गाली देने का आरोप उसकी इमारत के भीतर हैं और यह मामला नहीं है जब उस समय कोई बाहरी व्यक्ति सदस्य (केवल रिश्तेदार या दोस्त नहीं) घर में हुई घटना के समय मौजूद था।

जानलेवा बना कोरोना और प्रदूषण का कॉकटेल, खुली हवा में सांस लेने का मतलब...दिनभर में ले रहे 30 सिगरेट जितना धुआं

नई दिल्ली। कोविड संक्रमण और प्रदूषण का कॉकटेल दिल्लीवालों को और बीमार कर रहा है। कोविड संक्रमण और प्रदूषण की वजह से लोगों का दम घुट रहा है। हर किसी को सूखी खांसी हो रही है। डॉक्टर खुद समझ नहीं पा रहे हैं कि खांसी कोविड की वजह से है या प्रदूषण की वजह से। अस्पतालों में सांस की दिक्कत और खांसी के मरीजों की संख्या में 4 से 5 गुणा तक इजाफा देखा जा रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि जिस स्तर पर इस समय प्रदूषण है, उसमें अगर कोई दिन भर सांस लेता है तो वह 30 सिगरेट जितना धुआं बिना सिगरेट पिए ले रहा है। बीएलके सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के रेसपिरेट्री डिपार्टमेंट के डॉ. संजीव नायर ने बताया कि हालात बहुत खराब हैं। सुबह से ही मरीजों की लंबी लाइन लग रही है। गले में दर्द, गले में सूजन, सूखी खांसी, आंखों में पानी, सांस में दिक्कत के मरीज आ रहे हैं। बुजुर्गों की स्थिति बहुत ही खराब है। अभी सिर्फ लोगों को घर के अंदर रहना होगा। जान बचानी है तो त्योहार को भूल जाएं और घर में रहें। बाहर निकलेंगे तो कोविड का खतरा और जहरीली हवा बीमार करने के लिए तैयार है। मणिपाल हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. युगल किशोर मिश्रा ने कहा कि लॉकडाउन में छूट के बाद लंग्स और हार्ट के मरीज बढ़ गए थे। ये वे मरीज थे जो पहले से बीमार थे, लेकिन कोविड के डर से इलाज के लिए अस्पताल नहीं पहुंच रहे थे। अब ऐसे मरीज इलाज के लिए आ रहे हैं, जिससे इस प्रकार के मरीजों की संख्या बढ़ गई है। जितनी भी स्टडी हुई है, उससे यह साफ हो गया कि कोविड की वजह से हार्ट पर प्रभाव पड़ रहा है, जिससे कोरोनरी हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ गया है। इसी प्रकार कोविड की वजह से लंग्स में फाइब्रोसिस बन रहा है। यह इतना खतरनाक है कि लंग्स को पूरी तरह से खराब कर देता है। देश में ऐसे दो मरीजों को लंग्स ट्रांसप्लांट कराना पड़ा है। वहीं, अस्पताल में बढ़े मरीजों में एक बड़ा तबका प्रदूषण की वजह से बीमार वाले हैं। जिन्हें पहले से लंग्स की दिक्कत है, उनकी परेशानी काफी बढ़ गई है।

दिल्ली में सामान्य से 10 गुना ज्यादा पीएम 2.5 लेवल-कोविड और प्रदूषण के डबल अटैक के बारे में फोर्टिस अस्पताल के लंग्स कैंसर एक्सपर्ट डॉक्टर शुभम गर्ग ने बताया कि अभी दिल्ली में जिस स्तर पर पीएम 2.5 का स्तर वह है। वह नॉर्मल से 10 गुणा ज्यादा है। पीएम 2.5 के कण कारसिनोजेनिक होते हैं, यानी इससे कैंसर हो सकता है। यही नहीं जिस स्तर पर प्रदूषण है, उसमें अगर कोई दिन भर सांस लेता है तो वह 30 सिगरेट जितना धुआं बिना सिगरेट पिए ले रहा है। इसके अलावा इस हवा में सांस लेने वाले को अगर कोविड हो जाता है तो ऐसे लोगों को इलाज के दौरान ज्यादा ऑक्सीजन की जरूरत हो सकती है। इन्हें ज्यादा समय तक वेंटिलेटर पर रखना पड़ सकता है। इन्हें ज्यादा समय तक आईसीयू बेड की जरूरत पड़ सकती है।

स्मॉग में होते हैं कई तरह के केमिकल, जो सेहत के लिए हानिकारक-मैक्स हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. विवेका कुमार ने कहा कि स्मॉग में कोहरे और धुएं के अलावा कई तरह के केमिकल होते हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हैं। कोहरे की वजह से ये केमिकल्स जमीन के ठीक ऊपर जम जाते हैं। अगर ये पार्टिकल्स सांस के जरिए गले के अंदर तक पहुंच जाएं, तो सांस लेने में दिक्कत आने लगती है और खांसी शुरू हो जाती है। यह पूरे ट्रैक को इफेक्ट करता है, जिससे ब्रोंकाइटिस का अटैक पड़ सकता है। स्मॉग में छिपे केमिकल के कण अस्थमा के अटैक की आशंका को और ज्यादा बढ़ा देते हैं। इसके चलते फेफड़ों की क्षमता भी कम हो सकती है।

प्रदूषण से आंखें हो रही हैं बीमार

दिल्ली की हवा ना केवल लंग्स और हार्ट के लिए खतरनाक हैं, बल्कि इससे आंखें भी प्रभावित हो रही हैं। घर से बाहर 5 मिनट में ही आंखों में जलन शुरू हो जा रही है।

फेक जॉब पोर्टल्स ने एक महीने में 27 हजार लोगों को मूर्ख बनाकर ठगे 1.09 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक ऐसे गिरोह को पकड़ निकाला है जो लोगों को नौकरी का झांसा देकर उनसे पैसे ऐंठने का काम करता था। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल ने गुरुवार को पांच संदिग्धों को पकड़ लिया है। ये नौकरी रैकेट केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के नाम पर चलता था और एक महीने के भीतर पंजीकरण शुल्क के रूप में लोगों से 1.09 करोड़ रुपये इकट्ठा कर चुका था। इस पोर्टल ने 27,000 आवेदकों के साथ धोखा किया है। शुद्ध रूप से पीड़ितों की संख्या पहचाने जाने के संदर्भ में पुलिस ने कहा कि यह अब तक होने वाले सबसे बड़े धोखाधड़ी में से एक था। पुलिस ने कहा कि चूंकि सरकारी और निजी एजेंसियों के लिए ऑनलाइन भर्ती परीक्षा आयोजित करने वाले मास्टरमाइंड पोर्टल ने कानूनी रूप से एक सेंटर संचालित किया था, इसलिए उनके पास नौकरी चाहने वालों के व्यक्तिगत डेटा तक की पहुंच थी, जिनके लिए उन्होंने नौकरी की पेशकश करते हुए लोगों को संदेश भेजे थे। एक महीने में, गिरोह ने कथित तौर पर 13,000 वैकेंसियो के लिए पंजीकरण के लिए दो धोखाधड़ी वेबसाइटों के लिंक के साथ 15 लाख एसएमएस भेजे, जिसमें एकाउंटेंट, डेटा एंट्री ऑपरेटर, नर्सिंग दाइयों और एम्बुलेंस ड्राइवरों जैसे पद शामिल हैं। साइबर सेल के पुलिस उपायुक्त, अनीश रॉय ने इन फर्जी नौकरियों की खबरों को बढ़ाते हुए कहा,, वेबसाइटों को इतनी दृढ़ता से डिजाइन किया गया था कि कुछ समाचार और नौकरी सूचना पोर्टलों का मानना ??था कि ये वास्तविक हैं। रॉय ने कहा कि लोगों को अपना शिकार बनाने के लिए गिरोह दो वेबसाइट संचालित करते थे- www.sajks.org और www.sajks.com दोनों का दावा था कि ये स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधीन थे। sajks का मतलब था स्वास्थ्य एवं जन कल्याण संस्थान. जब हमने दोनों वेबसाइट्स तक पहुंचने की कोशिश तो पता चला कि दोनों में से कोई भी वेबसाइट फिलहाल काम नहीं कर रही है।

'आत्मनिर्भर भारत' से टूटेगी चीन की कमर, बिजली के आयात पर ड्रैगन को लगेगा झटका

नई दिल्ली। भारत चीन समेत कई देशों से ऊर्जा और प्रसारण उपकरण आयात करता है। लेकिन अब प्रधानमंत्री द्वारा चलाई गई आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत आयात को कम करके देश में निर्माण करने की व्यवस्था बनाई जा रही है। ऊर्जा मंत्रालय महत्वपूर्ण ऊर्जा और प्रसारण उपकरण बनाने के लिए पूरे देश में तीन विनिर्माण केंद्र स्थापित करने के लिए तैयार है। अधिकारियों का कहना है वाणिज्यिक खुफिया महानिदेशालय (छ्वत्रष्टढ्ढ) के अनुसार, 2018-2019 में भारतीय बिजली क्षेत्र ने 71,000 करोड़ रुपये के उपकरणों का आयात किया, जिनमें से 21,235 करोड़ रुपये का आयात चीन से हुआ, । हालांकि सरकार चीन से होने वाले आयात को नीचे धकेलने में कामयाब रही है, फिर भी यह मानते हुए कि संख्या कम है इनमें से कई उपकरण भारत में निर्मित किए जा रहे हैं।

▶▶ यह 24×7 पानी, बिजली, सड़क और आम परीक्षण सुविधाओं सहित इन हब में आम बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बजटीय अनुदान देने की योजना है। इन हब के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन बनाया जाएगा, जिसे अगले तीन से चार वर्षों में स्थापित किए जाने की उम्मीद है।
बिजली मंत्रालय ने पहले ही प्रमुख सार्वजनिक उपक्रमों जैसे एनटीपीसी, एनएचपीसी, पीजीसीआई और बिजली क्षेत्र के संगठनों को न्यूनतम और घरेलू क्षमता बढ़ाने के लिए अपनी योजनाओं की जानकारी दे दी है। मंत्रालय ने आयातित बिजली उपकरणों के परीक्षण के लिए न केवल अपनी स्वयं की नामित प्रयोगशालाओं को तैयार करने का निर्णय लिया है, बल्कि अन्य देशों के लिए स्वयं के संदर्भ और प्रोटोकॉल भी तैयार किए हैं।

बिजली क्षेत्र में वार्षिक चीनी आयात 17,289 करोड़ रुपये (2009-2010) रहा है; 22,114 करोड़ रुपये (2010-2011); 34,000 करोड़ रुपये (2011-2012); 29,062 करोड़ रुपये (2012-2013); 22,679 करोड़ (2013-2014); 19,658 करोड़ (2014-2015); 19,301 करोड़ (2015-2016); 19,757 करोड़ रुपये (2016-2017), और 19,682 करोड़ रुपये (2017-2018)। विशेष रूप से चीन से आत्मनिर्भर होने और आयात में कटौती करने के लिए, मंत्रालय ने दो सूचियां तैयार की हैं। पहली या अनिवार्य सूची में 239 वस्तुएं हैं जिनमें भारत के निर्माण की शून्य क्षमता है और इसलिए,ऐसे विनिर्माण समय तक आने तक आयात पर निर्भर रहना चाहिए। दूसरी या एम्बारगो सूची में 95 वस्तुएं हैं जो भारत में निर्मित होने के बावजूद बिजली क्षेत्र द्वारा आयात की जा रही हैं। यह निर्णय लिया गया है कि किसी भी बिजली क्षेत्र की कंपनी, पीएसयू या निजी, को एम्बार्गो सूची में आइटम आयात करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ये दोनों सूचियाँ आत्मानिभर भारत नीति के साथ संलग्न होंगी।

जबकि केंद्र राज्यों को अनिवार्य वस्तुओं के लिए निर्माण केंद्रों के लिए बोली लगाने के लिए कहेगा, यह 24×7 पानी, बिजली, सड़क और आम परीक्षण सुविधाओं सहित इन हब में आम बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बजटीय अनुदान देने की योजना है। इन हब के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन बनाया जाएगा, जिसे अगले तीन से चार वर्षों में स्थापित किए जाने की उम्मीद है।

बिजली मंत्रालय ने पहले ही प्रमुख सार्वजनिक उपक्रमों जैसे एनटीपीसी, एनएचपीसी, पीजीसीआई और बिजली क्षेत्र के संगठनों को न्यूनतम और घरेलू क्षमता बढ़ाने के लिए अपनी योजनाओं की जानकारी दे दी है। मंत्रालय ने आयातित बिजली उपकरणों के परीक्षण के लिए न केवल अपनी स्वयं की नामित प्रयोगशालाओं को तैयार करने का निर्णय लिया है, बल्कि अन्य देशों के लिए स्वयं के संदर्भ और प्रोटोकॉल भी तैयार किए हैं।

ये यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा रहा है कि आयातित उपकरण में मैलवेयर नहीं है जो उस देश द्वारा सक्रिय हो जाता है जहां उपकरण राष्ट्रीय सुरक्षा संकट के समय में निर्मित किया गया था। विशेषज्ञों का कहना है कि देश में जहां-जहां बिजली उपकरण आयात किए गए थे, वहां से मालवेयर को सक्रिय करने के जरिए साइबर हमले भारतीय पावर ग्रिड को बुरी तरह प्रभावित कर सकते हैं।

कोरोना नेगेटिव होने पर विदेश से आने वाले यात्रियों को 7 दिन क्वारंटाइन से छूट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विदेश से आने वाले यात्रियों को सात दिन की अनिवार्य क्वारंटाइन में रखने से छूट प्रदान की है। इसके लिए यात्रियों को तीन विकल्प उपलब्ध होंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि यदि कोई व्यक्ति परिवार में मृत्यु या बीमारी के कारण भारत लौट रहा हो तो उसे एयरपोर्ट पर सात दिन के क्वारंटाइन से छूट रहेगी। मंत्रालय के अनुसार, यात्रा से 72 घंटे पहले जिन लोगों ने कोरोना टेस्ट कराया हो और नेगेटिव रिपोर्ट हो, उन्हें भी सात दिन की क्वारंटाइन से छूट होगी। तीसरे, लोगों को एयरपोर्ट भर भी कोरोना टेस्ट कराने का विकल्प होगा। यदि एयरपोर्ट पर यह सुविधा है तो लोग अपना टेस्ट करा सकेंगे और नेगेटिव रिपोर्ट आने पर उन्हें क्वारंटाइन नहीं किया जाएगा। निर्देशों के अनुसार, तीनों श्रेणियों में छूट पाने के बाद लोगों को 14 दिन खुद को घर पर क्वारंटाइन में रहना होगा तथा उन्हें एक घोषणापत्र देना होगा कि कोरोना जैसे लक्षण होने पर वह स्वास्थ्य विभाग को सूचित करेंगे। क्वारंटाइन से छूट पाने के लिए यात्रियों को दिल्ली एयरपोर्ट की वेबसाइट पर खुद को पंजीकृत कराना होगा। जिसमें करोना की नेगेटिव रिपोर्ट लोड करनी होगी। इस प्रकार अन्य स्थितियों में छूट के लिए भी आवश्यक दस्तावेज लोड करने होंगे। इन श्रेणियों के अतिरिक्त अन्य यात्रियों को सात दिन के क्वारंटाइन पर रहना होगा।

जबकि सात दिन की होम क्वारंटाइन होगी। मौजूदा समय में एयरपोर्ट पर सभी यात्रियों को सात दिन की क्वारंटाइन अनिवार्य है जिसका खर्च यात्री को खुद ही वहन करना पड़ता है। लेकिन मंत्रालय ने साफ किया है कि राज्य इन नियमों में अपनी जरूरत के हिसाब से बदलाव कर सकते हैं। यह राज्य में कोरोना की स्थिति पर निर्भर करता है।

यूपी में 210 माफियाओं की साढ़े सात अरब संपत्ति पर योगी सरकार का शिकंजा

प्रयागराज। योगी सरकार के सख्त निर्देश पर हो रही कार्रवाई में माफियाओं को अब तक अरबों की आर्थिक चोट पहुंचाई जा चुकी है। माफिया और गैंगेस्टर में पूर्व सांसद और पूर्व विधायक सहित कई और जन प्रतिनिधि भी शामिल हैं। किसी का अवैध मकान, मॉल और गेस्ट हाउस गिराया गया तो किसी से कब्जा की गई करोड़ों की जमीन को मुक्त किया गया। माफियाओं की कमर तोड़ने के लिए कार्रवाई का यह सिलसिला अभी जारी है। जिला और पुलिस प्रशासन की टीम स्थानीय प्राधिकरणों की मदद से माफियाओं, उनके रिश्तेदारों तथा गुर्गों के नाम की गई बेनामी संपत्तियों का ब्योरा जुटा रही है। प्रदेशव्यापी इस कार्रवाई की जद में अब तक 210 माफिया और गैंगेस्टर आ चुके हैं। इन्हें 766 करोड़ यानी साढ़े सात अरब से अधिक की आर्थिक चोट पहुंचाई जा चुकी है। माफिया और गैंगेस्टर के खिलाफ कार्रवाई में प्रयागराज ने अहम भूमिका निभाई है। पुलिस, प्रशासन और विकास प्राधिकरण ने अब तक पूर्व सांसद अतीक अहमद, उसके भाई पूर्व विधायक खालिद अजीम उर्फ अशरफ समेत कुल 23 लोगों के खिलाफ सरकारी जमीन को कब्जे से मुक्त कराने से लेकर

ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की है। अधिकारियों की मानें तो इस कार्रवाई में इन्हें करीब 300 करोड़ की आर्थिक चोट पहुंचाई जा चुकी है।

पूर्वांचल में मुख्तार अंसारी समेत 104 माफिया और उनके करीबियों के खिलाफ कार्रवाई कर मकान, जमीन, शस्त्र लाइसेंस समेत 103 करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जब्त की गई हैं। वहीं लखनऊ में मुख्तार अंसारी उसके बेटों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर करीब 100 करोड़ रुपये की सम्पत्ति ढहा दी गई और काफी सम्पत्ति कुर्क कर दी गई। मुख्तार को आर्थिक चोट पहुंचाने के लिये उसके भाई सांसद अफजाल अंसारी की सम्पत्ति को भी पुलिस ने अवैध घोषित कर दिया। यह सम्पत्ति अफजाल की पत्नी फरहत के नाम है। मुख्तार के बेहद करीब हरविन्दर उर्फ जुगनू की करीब ढाई करोड़ रुपये की सम्पत्ति कुर्क कर दी गई। इसमें कई लग्जरी वाहन भी थे। पीजीआई कोतवाली के हिस्ट्रीशीटर राम सिंह पर गैंगस्टर एक्ट के तहत 84 करोड़ रुपये की सम्पत्ति कुर्क कर उसका आर्थिक साम्राज्य पूरी तरह से ध्वस्त कर दिया गया।

अवैध सम्पत्तियों पर जल्दी ही और बड़ी कार्रवाई-पुलिस कमिश्नर

पुलिस कमिश्नर सुजीत पाण्डेय ने बताया कि मुख्तार और अन्य माफिया पर कार्रवाई अभी खत्म नहीं हुई है। इनकी व इनके गुर्गों की अपराध के बूते कमाई गई सम्पत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। इनके गुर्गों की करीब 200 करोड़ रुपये की अवैध सम्पत्ति का पता चल चुका है। जल्दी ही इन पर बड़ी कार्रवाई की जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

दो त्रासदियों के बीच

फिल्म और टेलीविजन की भाषा में इसे कहते हैं एक्शन रिप्ले। प्रदूषण तो यहां पहले से ही था, लेकिन पिछले साल 4 नवंबर को इसके धुंध और धुएं ने जब दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में गहराना शुरू किया, तो हंगामा खड़ा हो गया था। इसके बाद हालात लगातार पांच दिन तक बिगड़ते गए और यह साफ हो गया कि हमारी संस्थाओं, हमारी सरकारों, हमारे नागरिक समाज और शोध संस्थानों के पास हंगामा करने के अलावा इसका कोई भरोसेमंद विकल्प नहीं है। यही इस बार भी हुआ, वैसे ही 4 नवंबर को। उस दिन करवाचौथ था, धुंध और धुआं इतना ज्यादा था कि कई इलाकों में व्रत रखने वाली महिलाओं को आधी रात तक चांद के दर्शन ही नहीं हुए। दिल्ली के प्रदूषण के बारे में कहा जाता है कि बाकी जगह तो प्रदूषण सांसों में महसूस होता है, लेकिन दिल्ली में वह दिखाई देता है। लेकिन सच यह है कि वह कभी-कभी इतना बढ़ जाता है कि कुछ भी ठीक से दिखाई नहीं देता। गगन के सितारे तो वह काफी पहले ही ओझल कर चुका है, इस बार उसने चांद को भी नहीं बख्शा। अगली सुबह पहले दिन से भी जहरीली थी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का वायु गुणवत्ता सूचकांक 451 अंक को पार कर गया, जो कि आबोहवा का अत्यंत जहरीला स्तर है। इस बार दिल्ली में सिर्फ प्रदूषण ही नहीं बढ़ रहा, कोरोना संक्रमण के मामले भी तेजी से बढ़ रहे हैं। जिसे दिल्ली में कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर कहा जा रहा है, वह इस बार धुएं और धुंध के साथ ही आई है। विशेषज्ञ काफी समय से चेतावनी दे रहे हैं कि प्रदूषण कोरोना संक्रमण के खतरे को बढ़ा सकता है। हमें अभी ठीक से पता नहीं है कि कोरोना संक्रमितों की संख्या और प्रदूषण इन दोनों के एक साथ बढ़ने का आपस में कोई रिश्ता है या नहीं। अभी का सच सिर्फ इतना है कि जिसे लेकर विशेषज्ञ काफी समय से चेतावनी दे रहे थे, उस खतरे को रोकने के लिए कोई कुछ नहीं कर सका। फिलहाल दिल्ली और पूरा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र एक साथ दो त्रासदियों का शिकार बनने के लिए अभिशप्त है। हालांकि ये दोनों ही त्रासदियां मिलकर भी उतना परेशान नहीं करतीं, जितना यह एहसास करता है कि हमारी पूरी व्यवस्था हर साल सर्दियों में आ धमकने वाले भयानक प्रदूषण के सामने असहाय दिखती है। हर साल तमाम तरह की योजनाएं बनाई जाती हैं, अनेक पुरानी योजनाएं ही दोहराई जाती हैं। उन सबका जो भी होता हो, लेकिन हर साल दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लोगों को फिर से उन्हीं सब तकलीफों से गुजरना पड़ता है। यह हर साल बताया जाता है कि सिर्फ प्रदूषण के कारण कितने लोगों की जान चली जाती है। कहा जाता है कि हर साल प्रदूषण दिल्ली के 22 लाख से ज्यादा बच्चों के फेफड़ों पर असर डालता है। इसकी वजह से होने वाली अन्य अनेक छोटी-बड़ी बीमारियों की भी एक लंबी फेहरिस्त है। कुल मिलाकर सच यही है कि हम इस प्रदूषण के किसी भी कारक पर ढंग से रोक नहीं लगा सके हैं और न निर्माण कार्यों से फैलने वाली धूल रुकी है। धुआं फैलाने वाले निजी वाहनों की संख्या कम होने के बजाय लगातार बढ़ती जा रही है। दिल्ली देश की राजधानी है और इस कारण से पूरे देश के गर्व का मामला भी है। लेकिन उसी दिल्ली का दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार होना सचमुच शर्मनाक है।

आज के ट्वीट

रोजगार

बिहार के युवा को मिलेगा रोजगार, बेरोजगारी पर होगा वार। बेरोजगारी को मिटा कर, बिहार के युवा को खुशहाल बनायेंगे।

-- कांग्रेस

अनसुलझे सवालों के समाधान की सार्थक पहल

मुकुल व्यास

कोरोना वायरस और फेफड़ों की कोशिकाओं के बीच होने वाली जंग को देखने के लिए वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला की डिश में फेफड़ों के सूक्ष्म जीवित मॉडल उगाए हैं। 'मिनी लंग्स' के इन मॉडलों में फेफड़ों की गुब्बारे जैसी सूक्ष्म थैलियों को देखा जा सकता है जो वायरस द्वारा संक्रमित की जाती हैं और जहां सर्वाधिक क्षति होती है। इन हवा की थैलियों को अलवियोलाई कहा जाता है। वायरस इन बेहद नाजुक थैलियों को क्षतिग्रस्त कर देता है, जिससे निमोनिया उत्पन्न होता है जो बाद में गंभीर रूप धारण कर लेता है। कोविड के मरीजों में अधिकतर मौतें इसी वजह से होती हैं। वैज्ञानिकों को फेफड़ों के भीतर वायरस के संक्रमण का अध्ययन करने में कठिनाई आ रही थी क्योंकि उनके पास विस्तृत अध्ययन के लिए फेफड़ों के प्रायोगिक मॉडल उपलब्ध नहीं थे। अब लैब में तैयार जीवित मॉडलों के जरिए वैज्ञानिक यह देख रहे हैं कि कोरोना वायरस किस तरह से फेफड़ों को संक्रमित करता है। कोरोना के संक्रमण को समझने की दिशा में यह एक बहुत बड़ी सफलता है। अमेरिका की ड्यूक यूनिवर्सिटी और ब्रिटेन की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के रिसर्चरों ने कोविड के प्रसार को समझने के लिए दो अलग-अलग अध्ययनों में कृत्रिम फेफड़े निर्मित किए। सार्स-कोव-2 के प्रसार का परीक्षण करने वाले मॉडल हासिल करने के बाद रिसर्चर नयी दवाओं का परीक्षण कर सकेंगे। इससे उन्हें यह समझने में आसानी होगी कि कुछ लोग अन्य लोगों की तुलना में वायरस से ज्यादा परेशानी में क्यों पड़ जाते हैं। ये मॉडल स्टेम कोशिकाओं से विकसित किए गए। कैम्ब्रिज टीम के अनुसार कोविड के निमोनिया जैसे गंभीर मामलों में वायरस फेफड़ों की थैलियों की अलवियोलर कोशिकाओं को निशाना बनाता है। रिसर्चरों ने डोनेट किए गए टिशू से इन कोशिकाओं को निकाला और उनकी रिप्रोग्रामिंग करके उन्हें उनकी मूल स्टेम कोशिका के चरण में पहुंचा दिया और उन्हें खुद-ब-खुद संगठित होने वाली अलवियोलर कोशिकाओं जैसी त्रिआयामी संरचनाओं में विकसित होने के लिए बाध्य कर दिया। ये संरचनाएं वास्तविक लंग टिशू के फंक्शन की कॉपी करती हैं। कैम्ब्रिज अध्ययन के सह-लेखक डॉ. जू हियोन ली का कहना है कि हम अभी तक यह ठीक से नहीं जान पाए हैं कि सार्स-कोव-2 किस तरह फेफड़ों को संक्रमित करता है और बीमारी उत्पन्न करता है। ड्यूक यूनिवर्सिटी के रिसर्चरों ने भी यही तरीका अपनाया। ड्यूक के सेल बायोलॉजिस्ट पुरुषोत्तम राव टाटा के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में शामिल रिसर्चरों का कहना है कि उनके मॉडल के उपयोग से नयी संभावित दवाओं की तलाश के लिए एक साथ कई प्रयोग किए जा सकते हैं। टाटा ने कहा कि इस मॉडल से हम न सिर्फ सार्स-कोव-2 का अध्ययन कर सकते हैं बल्कि इंफ्लुएंजा जैसे किसी भी रेस्पिरेट्री वायरस का अध्ययन कर सकते हैं जो इन कोशिकाओं को लक्षित करते हैं। ड्यूक की टीम ने एक डिश में

अलवियोलर एपिथेलियल टाइप-2 कोशिकाओं से सूक्ष्म फेफड़े उगाए। ये कोशिकाएं दरअसल स्टेम कोशिकाएं हैं जो फेफड़ों के सबसे भीतरी हिस्सों की मरम्मत करती हैं जहां कोरोना वायरस हमला करता है। इससे पूर्व ड्यूक में की गई रिसर्च से पता चला था कि इस तरह की सिर्फ एक कोशिका लाखों कोशिकाओं में विकसित होकर गुब्बारे जैसी संरचनाओं में तबदील हो सकती है जो अलवियोलाई जैसी दिखती हैं। कैम्ब्रिज और ड्यूक की टीमों ने वायरस के फैलाव को बेहतर ढंग से समझने के लिए फेफड़े के मॉडलों को सार्स-कोव-2 वायरस से संक्रमित किया। कैम्ब्रिज की टीम ने साउथ कोरिया के रिसर्चरों के सहयोग से कोविड के मरीज से वायरस का सैंपल एकत्र किया जो जनवरी में वुहान की यात्रा के दौरान संक्रमित हो गया था। रिसर्चर यह भी देखना चाहते थे कि बीमारी के रेस्पांस में फेफड़े की कोशिकाओं में क्या होता है। रिसर्चर फ्लोरेसेंस इमेजिंग और एक कोशिका के आनुवंशिक विश्लेषण के द्वारा यह देखने में सफल रहे कि कोशिकाएं वायरस के खिलाफ कैसी प्रतिक्रिया करती हैं। 3 डी मॉडलों को सार्स-कोव-2 से एक्सपोज करने के बाद वायरस तेजी से खुद को दोहराने लगा और संक्रमण के छह घंटे के अंदर ही उसने संपूर्ण कोशिकाओं को संक्रमित कर दिया। कैम्ब्रिज की टीम ने बताया कि वायरस खुद को दोहरा कर या रेप्लिकेशन के जरिए दूसरी कोशिकाओं या टिशू को संक्रमित करके पूरे शरीर में फैल जाता है। लगभग उसी समय कोशिकाएं इंटरफेरॉन का उत्पादन करने लगती हैं। इंटरफेरॉन दरअसल खास प्रोटीन होते हैं जो पड़ोसी कोशिकाओं को अपनी रक्षा प्रणाली को सक्रिय करने के लिए सचेत रहने के संकेत भेजते हैं। इंफेक्शन के 48 घंटे बाद इंटरफेरॉन प्रोटीन इम्यून रेस्पांस उत्पन्न करते हैं और कोशिकाएं इंफेक्शन से लड़ना आरंभ कर देती हैं। 60 घंटे बाद कुछ एलवियोलर कोशिकाएं विखंडित होने लगती हैं। इससे कोशिका की मृत्यु हो जाती है और फेफड़े के टिशू क्षतिग्रस्त होने लगते हैं। रिसर्चरों ने तीन दिन के बाद ही फेफड़ों के अंदर परिवर्तन देख लिए जबकि कोरोना के वास्तविक लक्षण इतनी जल्दी प्रकट नहीं होते। वायरस के संपर्क में आने के बाद लक्षण प्रकट होने में कभी-कभी दस दिन से अधिक समय लग सकता है। रिसर्चरों का कहना है कि इसके कई कारण हो सकते हैं। एक बड़ा कारण यह हो सकता है कि वायरस को ऊपरी सांस नली से फेफड़ों में अलवियोलाई तक पहुंचने में कई दिन लगते हैं। कैम्ब्रिज की रिसर्च टीम में शामिल साउथ कोरिया के रिसर्चर डॉ.यंग सियोक जू ने कहा कि यह संभव है कि अलवियोलर कोशिकाओं के बड़ी संख्या में संक्रमित होने के बाद ही कोविड के लक्षण प्रकट होते होते हों। उन्होंने कहा कि उनके अध्ययन से कोविड से जुड़े कई अनसुलझे सवालों का हल खोजने में मदद मिल सकती है। मसलन इससे यह जानने में मदद मिल सकती है कि जीनों के आधार पर कोरोना का असर कम या ज्यादा क्यों होता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इससे हमें सार्स-कोव-2 का संक्रमण रोकने वाली दवाओं के विकास और उनकी स्क्रीनिंग में मदद मिलेगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ज्ञान गंगा

खुशहाली

जग्गी वासुदेव

दुनिया में हमें केवल संपत्ति नहीं बनानी है, बल्कि खुशहाली बनानी है। धन-दौलत मनुष्य की खुशहाली के कई साधनों में केवल एक साधन है, लेकिन मात्र यही सब कुछ नहीं है। संपत्ति का मतलब अपने लिए बाहर की स्थिति को सुखद बनाना है। पर अभी तो लोग इसके पीछे ऐसे पड़े हैं जैसे कि ये कोई धर्म हो। पैसा बस एक साधन है; ये अपने आप में मंजिल नहीं है। हम बिना किसी कारण के इसे बहुत बड़ा बना रहे हैं। क्या ये खराब है? क्या ये अच्छा है? इन दोनों में से ये कुछ भी नहीं है। ये बस एक साधन है जो हमने बनाया है। हमें यह समझना चाहिए कि कोई भी पैसा नहीं चाहता है। ये थोड़ा बेतुका लग सकता है पर मैं कह रहा हूं कि वो पैसा नहीं है जिसे लोग चाहते हैं। बात बस ये है कि जिसे वो बेहतर जीवन समझते हैं, उसे पाने के लिए पैसा ही एक साधन है। सभी चाहते हैं कि उनका जीवन सुखद रहे। जब हम सुखद रहने की बात करते हैं तो ये 5 तरीकों से हो सकता है। अगर आपका शरीर सुखद अवस्था में है, तो हम इसे सुख कहते हैं। जब आपका मन सुखद हो जाता है तो हम इसे शांति कहते हैं और अगर ये बहुत ज्यादा सुखद हो जाए तो हम इसे हर्ष कहते हैं। अगर आपकी भावनाएं सुखद होती हैं तो हम इसे प्रेम कहते हैं और अगर ये बहुत ज्यादा सुखद हो जाती हैं तो हम इसे करु णा कहते हैं। जब आपकी जीवन-ऊर्जाएं सुखद हो जाती हैं तो हम इसे आनंद कहते हैं और अगर ये बहुत ज्यादा सुखद हो जाएं तो हम इसे परमानंद कहते हैं। अगर आपके आसपास सब सुखद हो तो हम इसे सफलता कहते हैं। आपको यही सब चाहिए, है कि नहीं? 'नहीं, मैं स्वर्ग जाना चाहता हूं'। पर, आप स्वर्ग क्यों जाना चाहते हैं? क्योंकि सभी विज्ञापन यही कहते हैं कि वो बहुत सुखद जगह है। तो आपको बस सुखद अवस्था चाहिए, खुशी चाहिए और अभी आपका यही विश्वास है कि इस दुनिया में, पैसे से आप इसे खरीद सकते हैं। और कुछ हद तक ये सही भी है। पर, पैसा सिर्फ बाहरी अवस्था को सुखद बना सकता है, ये आपके अंदर की अवस्था को सुखद नहीं बना सकता। अगर आपके पास बहुत पैसा है तो आप एक पांच सितारा होटल में रह सकते हैं पर अगर आपका शरीर या मन, आपकी भावनाएं या ऊर्जाएं सुखद नहीं हैं, तो क्या आप उस पांच सितारा होटल का आनंद ले पाएंगे? नहीं!

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चो का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

प्रियंका ने मोह लिया न्यूजीलैंड का मन

अरुण नैथानी

न्यूजीलैंड के हालिया आम चुनाव ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा, जहां लेबर पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की। पहली बार किसी पार्टी को इतनी बड़ी जीत मिली। इसमें एक खास जीत एक भारतवंशी प्रियंका राधाकृष्णन की भी थी, जिसे दुनिया में बहुचर्चित न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न ने अपने मंत्रिमंडल का सदस्य बनाया। प्रियंका न्यूजीलैंड में मंत्री बनने वाली पहली भारतीय हैं। प्रियंका की जीत इस मायने में महत्वपूर्ण है कि ब्रिटेन, अमेरिका व कनाडा आदि देशों की तरह न्यूजीलैंड में ज्यादा भारतीय नहीं रहते। प्रियंका पहली पीढ़ी की आप्रवासी भारतीय है। यानी उसके परिजन न्यूजीलैंड नहीं गये थे। जाहिर है इतने कम वक्त में उसने अपनी जमीन खुद तैयार की है जो उसके सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता का परिचायक भी है। यूं तो प्रियंका मूल रूप से केरल के बहुचर्चित जिले एर्नाकुलम के पारावूर क्षेत्र की रहने वाली है। 41 वर्षीय प्रियंका का जन्म चेन्नई में हुआ था। उनके पिता आर. राधाकृष्णन ने आईआईटी कानपुर से इंजीनियरिंग की थी। प्रियंका ने अपनी प्रांरभिक पढ़ाई सिंगापुर से की थी। तदुपरांत प्रियंका विकास अध्ययन में स्नातकोत्तर डिग्री हासिल करने के लिये न्यूजीलैंड की विक्टोरिया यूनिवर्सिटी ऑफ वेलिंगटन गई। इसी बीच समाज के वंचितों के प्रति गहरी संवेदनशीलता ने उन्हें सार्वजनिक जीवन में सक्रिय बनाया। प्रियंका गई तो न्यूजीलैंड पढ़ाई के लिये थी मगर सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता ने उसे मंत्री पद तक पहुंचा दिया। समाज के वंचितों व पीड़ितों के दर्द ने उन्हें सामाजिक सरोकारों से जुड़ने का मौका दिया। वह प्रवासी श्रमिकों व घरेलू हिंसा की पीड़ित महिलाओं के लिये लगातार काम करती रही। पीड़ितों की आवाज बुलंद करते-करते प्रियंका की आवाज इतनी बुलंद हो गई कि उसे न्यूजीलैंड में सत्ता के गलियारों में सुना जाने लगा। अब तक भारत में प्रियंका राधाकृष्णन के बारे में बहुत ज्यादा नहीं जाना जाता था। वह चुपचाप अपने काम में लगी रही। ओणम के अवसर पर उन्होंने केरलवासियों को बधाई दी तो केरल के लोगों का उनसे गहरा जुड़ाव हुआ। प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न ने हाल ही में अपने मंत्रिमंडल में शामिल पांच लोगों में प्रियंका को विविधता, समावेश और जातीय समुदाय का मंत्री बनाया। इसके अतिरिक्त वह सामुदायिक एवं स्वैच्छिक क्षेत्र की मंत्री तथा सामाजिक विकास एवं रोजगार मंत्रालय की सहायक मंत्री भी बनायी गई है। दरअसल, समाज के लिये कुछ कर गुजरने की ललक ने प्रियंका को राजयोग दिलाया है। सामाजिक सक्रियता के दौरान प्रियंका का रुझान लेबर पार्टी के क्रियाकलापों की तरफ हुआ। इस बीच उन्हें लेबर पार्टी की एक नेत्री जेनी सेल्सा के व्यक्तिगत सचिव के रूप में काम करने का अवसर मिला, जिससे उसके सामाजिक कार्यों में तेजी आई। उसने समाज के बेजुबानों को जुबान देने की कोशिश की। उन लोगों के अधिकारों की वकालत की, जिनकी तब सुनी नहीं जाती थी। उनकी प्राथमिकताओं में वे प्रवासी श्रमिक भी थे जो कबूतरबाजों के झांसों में आकर विषम परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे थे। तो वे महिलाएं भी थीं जो अपनों की हिंसा का शिकार हो रही थी। कालांतर न्यूजीलैंड में प्रियंका की आवाज सुनी जाने लगी।

उनकी प्रतिबद्धता और मेहनत को देखकर लेबर पार्टी ने उन्हें वर्ष 2017 में अपना उम्मीदवार बनाया और वह पहली बार लेबर पार्टी की तरफ से संसद सदस्य चुनी गई। यहीं से प्रियंका का राजनीतिक सितारा चमकने लगा। बीते साल उन्हें जातीय समुदायों के लिये मंत्री की निजी संसदीय सचिव बनाया गया। प्रियंका राधाकृष्णन आईटी कंपनी में सेवारत अपने पति रिचर्डन के साथ न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में रहती हैं। प्रियंका के मंत्री बनने पर न्यूजीलैंड व भारत में तो खुशी है ही, विशेष खुशी चेन्नई में भी है जहां उसका परिवार रहता है और केरल में भी जहां की वह मूल रूप से है। चेन्नई में रहने वाला उनका परिवार उसकी उपलब्धि से खासा प्रफुल्लित है। उनके पिता कहते हैं कि इस बात के संकेत पहले से थे कि उन्हें नयी सरकार में बड़ी भूमिका मिलेगी। उन्होंने बेटी को सलाह दी है कि राजनीति में अपना भविष्य बनाने के बीच वह अपने परिवार से जुड़ाव बनाये रखे। आने वाले समय में न्यूजीलैंड की राजनीति में प्रियंका की भूमिका बड़ी होने वाली है। इसकी एक वजह यह है कि वह युवा है और दूसरा, उन्हें बेहद प्रगतिशील व खुले विचारों वाली प्रधानमंत्री जेसिंडा आर्डर्न के साथ काम करने का मौका मिल रहा है। जेसिंडा अपने उन्मुक्त, प्रगतिशील व संवेदनशील राजनीतिक व्यवहार के लिये दुनिया में विशिष्ट पहचान रखती हैं। न्यूजीलैंड के एक धार्मिक स्थल पर अल्पसंख्यकों पर हुए हमले के दौरान उन्होंने कहा था कि हम विविध संस्कृतियों व करुणा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

न्यूजीलैंड हमारे मूल्यों को मानने वाले जरूरतमंद लोगों का घर है। बहरहाल, अपनी मेहनत से यह मुकाम हासिल करने वाली प्रियंका का भारत से जुड़ाव बना हुआ है। वे त्योहारों से जुड़ती हैं, मलयालम गीत उन्हें खासे पसंद हैं और येसुदास उनके पसंदीदा गायकों में शामिल हैं।

आकलैंड में भी वे लंबे समय तक भारतीयों के बीच सामाजिक कार्यों में जुटी रही। शायद प्रियंका में उनके परदादा द्वारा दिये गये संस्कारों का असर है जो सामाजिक जीवन तथा केरल की वामपंथी राजनीति में लंबे समय तक सक्रिय रहे थे। आज वह न्यूजीलैंड की लेबर पार्टी की नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लगातार तीसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी 2,147 रुपए चमकी

नई दिल्ली. आज लगातार तीसरे दिन सोने-चांदी की कीमतों में इजाफा हुआ है। इससे पहले वीरवार को भी दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने-चांदी कीमतों में तेजी आई थी। शुक्रवार को सोने में 731 रुपए प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ। एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने यह जानकारी दी है। चांद की बात करें तो इसमें 2 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से ज्यादा की तेजी आई है। जानकारों के मुताबिक आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज की उम्मीद से सोने-चांदी की कीमतो में तेजी देखने को मिली।

सोने की कीमत– लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को सोने का भाव में 791 रुपये प्रति 10 ग्राम का उछाल देखने को मिला। इसके बाद सोना 51,717 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले गुरूवार को सोने की कीमत 50,926 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,950 डॉलर प्रति औंस पर रहा।

चांदी की कीमत– सोने की तर्ज पर चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली। दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी की कीमत में भी ,147 रुपये के उछाल के साथ 64,578 रुपये प्रति किलो पहुंच गई। इससे पहले चांदी की भाव 62,431 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी 25.44 डॉलर प्रति औंस पर है।

भारत है सोने का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार

अगस्त में सोने का आयात बढ़कर 3.7 अरब डॉलर हो गया, जो पिछले साल इसी महीने में 1.36 अरब डॉलर था। भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा सोने का खरीदार है। भारत में सोने पर 12.5 फीसदी आयात शुल्क और तीन फीसदी जीएसटी लगता है।

डॉलर के मुकाबले रुपया 28 पैसे बढ़कर बंद

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम आने के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेश में तेजी के चलते रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 28 पैसे की तेजी के साथ 74.08 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुआ। कारोबारियों ने कहा कि शेयर बाजार में बढ़त, डॉलर की कमजोरी और अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव में जो बाइडेन के जीतने की उम्मीदों के चलते स्थानीय मुद्रा को समर्थन मिला।

एआईएफआई ने विकास बजाज को अध्यक्ष नियुक्त किया

मुंबई, फॉर्जिंग उद्योग के संगठन एआईएफआई ने शुक्रवार को कहा कि उसने विकास बजाज को 2020-2022 के लिये अध्यक्ष नियुक्त किया है। एआईएफआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि विकास बजाज गुरुग्राम स्थित बजाज मोटर्स के प्रबंध निदेशक हैं। उन्हें सितंबर में आयोजित एसोसिएशन की आम सभा की बैठक में चुना गया। उन्होंने एस मुरलीशंकर का स्थान लिया। उनके साथ यश जिनेन्द्र मुनोत को एसोसिएशन ऑफ फोर्जिंग इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एआईएफआई) का उपाध्यक्ष चुना गया। एसोसिएशन का दावा है कि वह लगभग 250 उद्योग सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है।

जवाहर लाल नेहरू बदंरगाह पर माल आवागमन अक्टूबर में 5.4 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई, जवाहर लाल नेहरू बंदरगाह (जेएनपीटी) पर अक्टूबर में कुल माल आवागमन सालाना आधार पर 5.34 प्रतिशत बढ़कर 57.3 लाख टन रहा। जेएनपीटी देश का प्रमुख कंटेनर बंदरगाह है। जेएनपीटी ने शुक्रवार को कहा कि समीक्षावधि में कंटेनर का आवागमन 11.24 प्रतिशत बढ़कर 4,23,155 टीईयू रहा। टीईयू कंटेनर को मापने की इकाई है। जेएनपीटी ने अक्टूबर 2020 में रिकॉर्ड 548 ट्रेन से माल का आवागमन संभाला। इससे पहले इसका उच्चतम स्तर मई 2011 में 536 ट्रेन का था। कंटेनर के कुल आवागमन में से जेएनपीटी के कंटेनर टर्मिनल ने अक्टूबर में 52,087 टीईयू को संभाला। यह पिछले साल के मुकाबले 3.37 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा न्हावा शेवा इंटरनेशल कंटेनर टर्मिनल का कंटेनर प्रबंधन 77 प्रतिशत बढ़कर 64,254 टीईयू और भारत-मुंबई कंटेनर टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड का कंटेनर प्रबंधन 11.82 प्रतिशत बढ़कर 72,766 इकाई रहा।

गुजरात के हजीरा-घोघा के बीच 'रो-पैक्स' फेरी सेवा को आठ नवम्बर को हरी झंडी दिखाएंगे मोदी

नई दिल्ली :

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात में हजीरा से घोघा के बीच 'रो-पैक्स' फेरी सेवा को आठ नवम्बर को हरी झंडी दिखाएंगे। घोघा और हजीरा के बीच सड़क मार्ग से दूरी 370 किलोमीटर है। फेरी सेवा के जरिए लोग समुद्र मार्ग का इस्तेमाल कर सकेंगे और दोनों स्थानों के बीच दूरी मात्र 60 किलोमीटर रह जाएगी। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कार्यक्रम के दौरान 'रो-पैक्स' का इस्तेमाल करने वाले स्थानीय लोगों के साथ बातचीत भी करेंगे। मोदी आठ नवम्बर सुबह 11 बजे एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए हजीरा में 'रो-पैक्स' टर्मिनल से हजीरा-घोघा के बीच फेरी सेवा को हरी झंडी दिखाएंगे। बयान में कहा कि यह प्रधानमंत्री के जलमार्गों के दोहन और देश के आर्थिक विकास के साथ एकीकरण की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। केन्द्रीय जहाजरानी मंत्री मनसुख मांडविया और गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी भी इस दौरान मौजूद रहेंगे। पीएमओ ने बताया कि हजीरा में 'रो-पैक्स' टर्मिनल का उद्घाटन किया जा रहा है, जिसकी लंबाई 100 मीटर और चौड़ाई 40 मीटर है। इसके निर्माण में लगभग 25 करोड़ रुपये का खर्चा आया है। टर्मिनल पर कई सुविधाएं हैं, जिसमें एक प्रशासनिक कार्यालय भवन, एक पार्किंग क्षेत्र, एक

सबस्टेशन और एक 'वॉटर रेंजिंग' सुविधा शामिल है। पीएमओ ने बताया कि 'रो-पैक्स' फेरी वाहन से एक चक्कर में 550 तक यात्रियों, 30 ट्रकों, सात छोटे ट्रकों और 100 दोपहिया वाहनों को ले जाया जा सकेगा। यह सेवा हर मौसम में और ऊंची लहरों के बीच भी चालू रहेगी।

भेल को सितंबर तिमाही में 552 करोड़ रुपये का घाटा

नयी दिल्ली. सरकारी कंपनी भेल को कम राजस्व के कारण सितंबर तिमाही में 552.38 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। कंपनी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। कंपनी को साल भर पहले की समान तिमाही में 120.95 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी ने बीएसई को बताया कि इस दौरान उसकी कुल आय साल भर पहले के 6,359.68 करोड़ रुपये से कम होकर 3,793.13 करोड़ रुपये पर आ गयी। कंपनी ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिये लागू पाबंदियों का अभी भी उसके परिचालन पर असर पड़ रहा है। कंपनी ने कहा कि परियोजनाओं के निष्पादन में तेजी आयी है, लेकिन उबरने की दर धीमी है। अत- इस वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही के प्रदर्शन की तुलना साल भर पहले से नहीं की जा सकती है।

रॉयल एनफील्ड ने पेश की नयी क्रूजर मोटरसाइकिल मीटॉर 350

नयी दिल्ली आयशर मोटर्स की दोपहिया इकाई रॉयल एनफील्ड ने शुक्रवार को नयी क्रूजर मोटरसाइकिल मीटॉर 350 पेश की। इसकी चेन्नई में शोरूम कीमत 1.76 लाख रुपये है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि रॉयल एनफील्ड मीटॉर 350 तीन संस्करण फायरबॉल, स्टेलार और सुपरनोवा में उपलब्ध होगी। सभी मॉडल में एलॉय चक्के और ट्यूबलेस टायर उपलब्ध होंगे। इससे ग्राहकों को लंबी यात्रा के दौरान सुविधा मिलेगी। मीटॉर 350 फायरबॉल की कीमत 1,75,817 रुपये, स्टेलार की कीमत 1,81,326 रुपये और सुपरनोवा की कीमत 1,90,536 रुपये से शुरू होगी। मीटॉर 350 का नाम रॉयल एनफील्ड की 1952 में पेश की गयी मोटरसाइकिल मीटॉर से लिया गया है। नयी मोटरसाइकिल में कंपनी ने 349 सीसी का एक एयर ऑयल कूल्ड सिंगल सिलेंडर इंजन दिया है। यह 20.2 अश्वशक्ति की ताकत पैदा करता है। साथ ही 4,000 चक्कर प्रति मिनट पर 27 एनएम का टॉर्क उत्पन्न करता है। इसे कंपनी के चेन्नई और ब्रिटेन के ब्रनटिंगथॉर्पे स्थित अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी केंद्रों में डिजाइन और विकसित किया गया है। आयशर मोटर्स के निदेशक सिद्धार्थ लाल ने कहा, ''हम एक ऐसी मोटरसाइकिल बाजार में लाना चाहते थे, जो अनुभवी मोटरसाइकिल चालकों के साथ-साथ नए लोगों को भी लंबी यात्रा का बेहतर अनुभव दे। मीटॉर 350 इसके लिए सर्वोत्तम है।''

वॉट्सऐप की पेमेंट सर्विस शुरू, जुकरबर्ग ने कहा- पेमेंट पर नहीं लगेगा कोई चार्ज

बिजनेस डेरक :

वॉट्सऐप ने आज से देश में अपनी पेमेंट सर्विस शुरू कर दी है। कंपनी ने एक ब्लॉग पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) ने गुरुवार शाम को ही वॉट्सऐप को UPI बेस्ड पेमेंट सर्विस शुरू करने की मंजूरी दी है। वॉट्सऐप फेसबुक की सब्सिडियरी कंपनी है।

भारत में वॉट्सऐप के 40 करोड़ से ज्यादा यूजर्स

NPCI से मंजूरी मिलने के बाद फेसबुक के CEO मार्क जुकरबर्ग ने एक वीडियो जारी कर कहा कि वॉट्सऐप की पेमेंट सर्विस 10 क्षेत्रीय भाषाओं के वॉट्सऐप वर्जन में उपलब्ध होगी। जुकरबर्ग ने कहा कि वॉट्सऐप के जरिए पेमेंट करने पर किसी भी प्रकार का चार्ज नहीं वसूला जाएगा। वॉट्सऐप के भारत में 40 करोड़ से ज्यादा यूजर हैं। कंपनी पिछले 2 सालों से पेमेंट सर्विस शुरू करने के लिए मंजूरी का इंतजार कर रही थी। वॉट्सऐप करीब 10 लाख यूजर्स के जरिए पेमेंट सर्विस की टेस्टिंग कर रही थी।

140 से ज्यादा बैंकों के ग्राहक पेमेंट कर सकेंगे

मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि 140 से ज्यादा बैंकों के ग्राहक वॉट्सऐप के जरिए अपने दोस्तों और परिजनों को पेमेंट कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि वॉट्सऐप पेमेंट पूरी तरह से सिक्योर है। वॉट्सऐप के जरिए पेमेंट करने के लिए केवल UPI समर्थित डेबिट कार्ड की आवश्यकता होगी और आप सीधे पेमेंट कर सकेंगे। जुकरबर्ग के मुताबिक, पेमेंट फीचर वॉट्सऐप के नए अपडेट में मिलना शुरू हो जाएगा। वॉट्सऐप ने कहा कि अभी इस सर्विस के लिए ICICI बैंक, HDFC बैंक, एक्सिस बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) और जियो पेमेंट्स बैंक के साथ साझेदारी की गई है।

2 करोड़ यूजर्स से होगी शुरूआत

NPCI ने कहा है कि वॉट्सऐप पेमेंट सर्विस की शुरुआत 2 करोड़ यूजर्स से कर सकता है। देश में UPI के जरिए पेमेंट में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। अक्टूबर में देश में UPI के जरिए 2.07 बिलियन ट्रांजेक्शन हुए हैं। इससे पिछले महीने यानी सितंबर में UPI के जरिए 1.8 बिलियन ट्रांजेक्शन हुए थे। देश में रिटेल पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम को ऑपरेट करने के लिए 2008 में NPCI को अम्ब्रेला संगठन के तौर पर स्थापित किया गया था।

यूजर्स को धीरे-धीरे मिलेगा अपडेट

वॉट्सऐप की पेमेंट सर्विस को धीरे-धीरे रोलआउट किया जा रहा है। NPCI की गाइडलाइंस को ध्यान में रखते हुए यूजर्स को धीरे-धीरे पेमेंट सर्विस का अपडेट दिया जा रहा है। शुरुआत में सभी यूजर्स को पेमेंट सर्विस का अपडेट नहीं मिलेगा।

सेंट्रल बैंक का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 20 प्रतिशत बढ़कर 161 करोड़ रुपये रहा

नयी दिल्ली,

सेंट्रल बैंक का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष 2020-21 की दूसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में 20 प्रतिशत बढ़कर 161 करोड़ रुपये हो गया। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2019-20 की इसी तिमाही में उसे 134 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। बैंक ने कहा कि उसकी कुल आय चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में करीब 2 प्रतिशत बढ़कर 6,833.94 करोड़ रुपये रही। एक साल पहले 2019-20 की इसी तिमाही में यह 6,703.71 करोड़ रुपये रही थी। बैंक की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) सकल कर्ज के प्रतिशत के रूप में सितंबर, 2020 को समाप्त तिमाही में घटकर 17.36 प्रतिशत रही जो एक साल पहले सितंबर, 2019 में 19.89 प्रतिशत थी। शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति आलोच्य अवधि में कम होकर 5.60 प्रतिशत रही जो एक साल पहले 2019-20 की दूसरी तिमाही में 7.90 प्रतिशत थी। निरपेक्ष रूप से सकल एनपीए 30,785.43 करोड़ रुपये रहा जो 2019-20 की दूसरी तिमाही में 33,497.22 करोड़ रुपये था। वहीं शुद्ध एनपीए 8,683.58 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले 2019-20 की दूसरी तिमाही में 11,551.91 करोड़ रुपये रहा था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 37 कोयला खदानों की ई नीलामी उसके आदेशों के दायरे में रहेगी

नई दिल्ली.

उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को निर्देश दिया कि झारखंड में पांच कोयला खदानों सहित 37 खदानों की ई नीलामी उसके अंतिम आदेशों के दायरे में रहेगी। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ ने केन्द्र से कहा कि वह बोली लगाने वालों को सूचित करे कि किसी प्रकार का लाभ अस्थाई होगा और यह शीर्ष अदालत के अंतिम आदेश के दायरे में होगा। केन्द्र की ओर से अटार्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने कहा कि क्षेत्र में एक भी वृक्ष की कटाई नहीं होगी। न्यायालय ने चार नवंबर को यह आदेश देने का संकेत दिया था कि झारखंड में व्यावसायिक मकसद से पारिस्थितिकी रूप से संवेदनशील क्षेत्र के 50 किमी के दायरे में प्रस्तावित कोयला खदानों के आवंटन के लिये ई-नीलामी नही की जायेगी। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह सिर्फ यह सुनिश्चित करना चाहती है कि 'जंगलों को नष्ट नहीं किया जाये।% न्यायालय ने कहा कि वह विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने पर विचार कर रहा है जो यह पता लगायेगी कि क्या झारखंड में प्रस्तावित खनन स्थल के पास का इलाका पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र है या नहीं। केन्द्र की ओर से अटार्नी जनरल के के वेणुगोपाल ने शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी का विरोध करते हुये कहा था कि इस तरह के पारिस्थितिकी दृष्टि से संवेदनशील जोन से खदान स्थल 20 से 70 किमी की दूरी पर हैं और अगर यही पैमाना लागू किया गया तो गोवा जैसे राज्यों में खनन असंभव हो जायेगा। पीठ का कहना था जंगलों की ओर देखने का सारा मसला ही गलत है। समस्या यह है कि आप लकड़ी की आर्थिक कीमत आंकते हैं लेकिन आप वन की कोई आर्थिक कीमत नहीं मानते। हम देश के विकास के खिलाफ नहीं है लेकिन क्या आपको नहीं लगता कि पारिस्थितिकी दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र से 22 किमी की दूरी वनों से कितना नजदीक है। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सुनवाई करते हुये पीठ ने कहा कि वह केन्द्र के खिलाफ झारखंड के वाद में मुद्दे निर्धारित करने के लिये सूचीबद्ध करेगी और अगर पक्षकार सहमत हुये तो वह गवाहों से पूछताछ करेगी और इस दौरान ई-नीलामी पर रोक रहेगी तथा पारिस्थितिक दृष्टि से संवेदनशील इलाकों के बारे में विशेषज्ञ समिति से रिपोर्ट मंगायी जा सकती है।

बॉश को सितंबर तिमाही में 64.57 करोड़ रुपये का एकीकृत घाटा

नयी दिल्ली,

वाहन कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी बॉश लिमिटेड को जुलाई-सितंबर तिमाही में 64.57 करोड़ रुपये का एकीकृत घाटा हुआ। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी को 98.40 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध लाभ हुआ था। शेयर बाजार को दी जानकारी के अनुसार समीक्षावधि में कंपनी की परिचालन आय 2,479.18 करोड़ रुपये रही। पिछले साल इसी अवधि में यह 2,312.68 करोड़ रुपये थी। इस बारे में कंपनी के प्रबंध निदेशक सौमित्र भट्टाचार्य ने कहा कि वाहन उद्योग लंबी गिरावट के दौर से गुजर रहा है। इस क्षेत्र में दोपहिया वाहन और ट्रैक्टर क्षेत्र में महीने दर महीने सुधार हो रहा है। ''यदि जीएसटी दर में कटौती और सरकार की ओर से समर्थन मिलता है तो हम तेजी से वृद्धि कर पाएंगे।'' बॉश लिमिटेड ने खुद को भविष्य के लिये तैयार करने की दिशामें पुनर्गठन, पुनकौशल और बदलाव वाली परियोजनाओं इन तीन क्षेत्र में लगातार निवेश जारी रखा है। इसके लिये 400 करोड़ रुपये की अतिरिक्त राशि उपलब्ध कराई गई है और इसे दूसरी तिमाही के दौरान एक विशिष्ट मद के तौर पर रखा गया है।

तेलंगाना में Amazon का सबसे बड़ा निवेश, डेटा सेंटर्स के लिए खर्च करेगी 20,761 करोड़ रुपए

नई दिल्ली।

अमेजन वेब सर्विजेस (एडब्ल्यूएस) 20,761 करोड़ रुपये के निवेश से भारत में अपने दूसरे डेटा केंद्र क्षेत्र की स्थापना करेगी। इस केंद्र की स्थापना तेलंगाना में की जाएगी और इसके 2022 के मध्य तक चालू होने की उम्मीद है। एडब्ल्यूएस ने हालांकि इस निवेश प्रस्ताव की धनराशि के बारे में ब्यौरा नहीं दिया, लेकिन तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री के टी रामा राव ने शुक्रवार को कहा कि एडब्ल्यूएस कई डेटा केंद्रों की स्थापना के लिए तेलंगाना में 2.77 अरब अमेरिकी डॉलर (20,761 करोड़ रुपये) निवेश करेगी।

सबसे बड़ा एफडीआई निवेश

एडब्ल्यूएस अमेजन द्वारा पेश किया जाने वाला क्लाउड प्लेटफॉर्म है। राव ने ट्वीट किया, 'तेलंगाना के इतिहास में सबसे बड़े एफडीआई के बारे में बताते हुए खुशी है! कई बैठकों के बाद एडब्ल्यूएस ने तेलंगाना में कई डेटा केंद्रों की स्थापना के लिए 20,761 करोड़ रुपये (2.77 अरब डॉलर) के निवेश को अंतिम रूप दिया है। एडब्ल्यूएस क्लाउड, हैदराबाद क्षेत्र के 2022 में शुरु होने की उम्मीद है।' एक विज्ञप्ति के मुताबिक राव ने अपनी दावोस यात्रा के दौरान एडब्ल्यूएस के अधिकारियों के साथ बैठक की थी और इसके बाद ही इस निवेश को लेकर सहमति बनी। एडब्ल्यूएस ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बताया कि हैदराबाद में नया 'एडब्ल्यूएस एशिया रीजन' में शुरुआत में तीन अमेजन क्षेत्र शामिल होंगे। इंटरनेट सेवा के अध्यक्ष वाणिज्यिक कारोबार (एडब्ल्यूएस भारत और दक्षिण एशिया) पुनीत चंडोक ने कहा, 'नया एडब्ल्यूएस एशिया प्रशांत (हैदराबाद) क्षेत्र अधिक डेवलपर, स्टार्टअप और उद्यमों के साथ ही सरकार, शिक्षा क्षेत्र और गैर-लाभकारी संगठनों को अपने एप्लिकेशन चलाने में सक्षम करेगा, जिसके वे भारत स्थित डेटा केंद्रों से उपयोगकर्ताओं की सेवा कर सकेंगे।' उन्होंने कहा कि इस विस्तार से भारत जैसे तेजी से बढ़ते बाजार की जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी।

स्पाइस जेट ने नासिक से दिल्ली सहित इन राज्यों में शुरू की उड़ानें

नई दिल्ली।

यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए विमानन कंपनी स्पाइस जेट ने महाराष्ट्र के नासिक से दिल्ली, हैदराबाद और बेंगलुरु के लिए सीधी हवाई विमान सेवा शुरू करने निर्णय लिया है। घरेलू एविएशन में अपनी पकड़ और मजबूत बनाने के लिए स्पाइस जेट लगातार फ्लाइट्स को लॉन्च कर रही है। स्पाइस जेट ने सर्दियों के मौसम दो देखते हुए उदयपुर और जयपुर से भी नए फ्लाइट्स को लॉन्च किया है। जिसके बाद प्रतिदिन मुंबई-उदयपुर, अहमदाबाद-उदयपुर, चेन्नई-जयपुर और बेंगलुरु-कोलकाता रूट में प्लाइट्स का संचालन किया जाएगा। बता दें कि बेंगलुरु-नासिक, दिल्ली-उदयपुर रुट में मंगलवार को छोड़कर प्रतिदिन संचालन करने का ऐलान, जबकि हैदराबाद-नासिक, दिल्ली-नासिक हफ्ते में चार बार उड़ाने भरेगी।

जानें कितना होगा किराया

हैदराबाद- नासिक के लिए 3160 रुपए और नासिक-हैदराबाद के लिए 3385 रुपए किराया रखा गया है। इसके साथ बेंगलुरु-नासिक के लिए 3662 रुपए, नासिक-बेंगलुरु के लिए 3561 रुपए, दिल्ली-नासिक के लिए 4060 रुपए और नासिक दिल्ली के लिए शुरुआती यात्रा किराया 4087 रुपए रखने का निर्णय किया गया है।

वाणिज्यिक कोयला खनन: नीलामी के पांचवें दिन अरबिंदो रीयल्टी एंड इंफ्रा ने झारखंड में हासिल किया ब्लॉक

नयी दिल्ली

वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के पांचवें दिन शुक्रवार को अरबिंदो रीयल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लि. ने झारखंड में जबकि ईएमआईएल माइन्स एंड मिनरल रिर्सोसेज ओड़िशा में ब्लॉक हासिल करने में सफल रहीं। कोयला मंत्रालय के बयान के अनुसार ईएमआईएल माइन्स एंड मिनरल रिर्सोसेज ने ओड़िशा में राधिकापुर (पूर्वी) ब्लॉक के लिये सर्वाधिक 16.75 राजस्व हिस्सेदारी की पेशकश की। इस ब्लॉक के लिये अडाणी एंटरप्राइजेज लि., जिंदल स्टील एंड पावर लि. (जेएसपीएल) और नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लि. (नालको) भी दौड़ में शामिल थी। वहीं अरबिंदो रीयल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर ने झारखंड में उरमा पहाड़ीटोला कोयला खदान के लिये सर्वाधिक 26.50 प्रतिशत राजस्व हिस्सेदारी की पेशकश की।

अडाणी पावर रिर्सोसेज लि. और वेलस्पन स्टील लि. भी इस ब्लॉक के लिये दौड़ में थी। मंत्रालय ने कहा कि ब्लॉक में भूगर्भीय भंडार 57.93 करोड़ टन अनुमानित है। इससे सालाना 1,415.85 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा। यह दूसरा ब्लॉक है जिसे अरबिंदो रीयल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर ने हासिल किया है। नीलामी के पहले दिन कंपनी ने महाराष्ट्र में तकली-जेना बेलोरा (उत्तर और दक्षिण) ब्लॉक हासिल किया। वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी के 5वें दिन दो कोयला खदान (एक ओडिशा में और एक झारखंड में) नीलामी के लिये रखी गई। इन दोनों ब्लॉक में कुल भंडार 75.563 करोड़ टन अनुमानित है।

मंत्रालय के अनुसार ई-निविदा में बोलीदाताओं के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली और दोनों ही खदानों को न्यूनतम मूल्य से ऊपर अच्छा प्रीमियम मिला है। शुक्रवार को दो ब्लॉक की नीलामी के साथ सरकार अब तक वाणिज्यिक खनन के लिये 17 खदानों की नीलामी कर चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाणिज्यिक खनन के लिये जून में 41 कोयला खदानों की नीलामी की प्रक्रिया शुरू की थी।

यूपीआई भुगतान में बाजार हिस्सेदारी सीमा तय करने का असर ग्राहकों पर पड़ेगा: विशेषज्ञ

नयी दिल्ली

यूपीआई भुगतान सेवा देने वाली डिजिटल कंपनियों पर कुल लेनदेन में अधिकतम 30 प्रतिशत की हिस्सेदारी तय किये जाने के बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि यह लाखों ग्राहकों पर असर डालेगा। साथ ही भविष्य में लोगों के डिजिटल भुगतान प्रणाली अपनाने पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव हो सकता है। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने बृहस्पतिवार को किसी तीसरे पक्ष द्वारा चलायी जाने वाली यूपीआई भुगतान सेवा के लिए लेनदेन की सीमा कुल लेनदेन की संख्या के 30 प्रतिशत तय कर दी।

एनपीसीआई की ओर से लगायी गयी यह सीमा एक जनवरी 2021 से लागू होगी। एनपीसीआई के सीमा तय करने का मतलब अब गूगल पे, फोनपे और पेटीएम जैसी कंपनियां यूपीआई के तहत होने वाले कुल लेनदेन में अधिकतम 30 प्रतिशत लेनदेन का ही प्रबंध कर पाएंगी। देश में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने में इन कंपनियों की अहम भूमिका है। गूगल की नेक्स्ट बिलियन यूजर पहल और गूगल पे के भारतीय कारोबार के प्रमुख सजित शिवनंदन ने एक बयान में कहा, ''भारत में डिजिटल भुगतान अभी भी शैश्वास्था में है। ऐसे में इस समय बाजार में किसी भी तरह का हस्तक्षेप ग्राहकों की पसंद और नवोन्मेष को बढ़ावा देने पर ध्यान देते हुए किया जाना चाहिए। इस समय एक विकल्प आधारित और खुली व्यवस्था ही इसे आगे बढ़ाने वाली होगी।'' उन्होंने कहा कि एनपीसीआई की घोषणा अचंभे में डालने वाली है। यह यूपीआई लेनदेन का दैनिक आधार पर उपयोग करने वाले लाखों ग्राहकों पर असर डाल सकती है। साथ वित्तीय समावेशन के लक्ष्य को पाने को भी प्रभावित करेगी। पेटीएम और फोनपे ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं दी है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीबीएल : ब्रिस्बेन हीट ने मोर्केल, सिडनी थंडर ने बिलिंग्स के साथ किया करार

मेलबर्न। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज मोर्ने मोर्केल ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के आने वाले सीजन के लिए ब्रिस्बेन हीट के साथ करार किया है। मोर्केल ने हाल ही में इंग्लिश काउंटी सरे के साथ अपने तीन साल के करार को खत्म किया था। उन्हें एक स्थानीय खिलाड़ी के तौर पर टीम में शामिल किया गया है। मोर्केल ने कहा, मैं अभी भी अपने क्रिकेट का बहुत लुत्फ ले रहा हूं। हीट की टीम का हिस्सा बनने के लिए मैं काफी उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, मैं कबूल करता हूं कि मेरे लिए खुद को स्थानीय कहना थोड़ा अजीब है, लेकिन मैं यहां रहकर और काम करने का लुत्फ ले रहा हूं। यह हमारे खेल का हिस्सा है जिसके लिए मैं तैयार हूं। वहीं सैम बिलिंग्स ने थंडर के साथ करार किया है। उन्होंने आस्ट्रेलिया के साथ हुई वनडे सीरीज में 118 रनों की शानदार पारी खेली थी। उन्होंने कहा, आस्ट्रेलिया के बेहतरीन खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने के बाद बीबीएल में आना मेरे लिए अच्छा रहेगा। आप किसी चीज को हल्के में नहीं लेते हो, लेकिन इस तरह का प्रदर्शन करने से आपको मदद मिलती है। यह ऐसी चीज है जिस पर मुझे गर्व है और यह निश्चित तौर पर मेरे अभी तक के क्रिकेट के बेहतरीन ग्रीष्मकाल में से एक था।

द. अफ्रीकी टीम में प्लेसिस की वापसी, ग्लेंटन नया चेहरा

जोहांसबर्ग।

वॉरियर्स के 28 साल के गेंदबाज ग्लेंटन स्टरमैन को इंग्लैंड के साथ होने वाली आगामी वनडे और टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में शामिल किया गया है।

क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने शुक्रवार को इस घरेलू सीरीज के लिए टीम की घोषणा की। टीम में 24 खिलाड़ी शामिल किए गए हैं। इस टीम में सीनियर खिलाड़ी फाफ दू प्लेसिस की भी वापसी हुई है, जिन्होंने यूएई में जारी आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है। कोरोनावायर महामारी के बीच यह दक्षिण अफ्रीका की पहली इंटरनेशनल सीरीज है। दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगीसो रबाडा इस सीरीज के साथ टीम में वापसी करेंगे। वह ग्रोइन इंजुरी के कारण भारत के साथ हुए सीरीज में नहीं खेल सके थे। रबादा भी आईपीएल में खेल रहे हैं और सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। वेबसाइट क्रिकबज के अनुसार क्रिकेट साउथ अफ्रीका के निदेशक (क्रिकेट) ग्रीम स्मिथ ने कहा, हमारे लिए यह काफी अहम सीरीज है क्योंकि आने वाले साल में आईसीसी टी20 विश्व कप खेला जाना है। मुझे उम्मीद है कि हम खासतौर पर टी20 में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अपने घरेलू दर्शकों को लम्बे समय बाद क्रिकेट का लुत्फ लेने का मौका देंगे।

टीम = क्विंटन डी कॉक (कप्तान), तेम्बा बावुमा, जूनियर डाला, फाफ डु प्लेसिस, ब्योर्न फोर्टुइन, बेयूरन हेंड्रिक, रीजा हेंड्रिक, हेनरिक क्लासेन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, जानमैन मालन, डेविड मिलर, लुंगी नगिदी, एनरिक नॉर्डिक, एंडिले फेलुखवायो, ड्वाइन प्रीटोरियस, कागिसो रबादा, तबरेज शम्सी, लूथो सिपामला, जॉन-जॉन स्मट्स, ग्लेंटन स्टरमैन, पाइट वैन बिलजोन, रासी वैन डेर डुसेन, काइल वेरिन।

सीरीज का कार्यक्रम इस प्रकार है :

शुक्रवार, 27 नवंबर= पहला टी20 , न्यूलैंड्स, केपटाउन

रविवार, 29 नवंबर= दूसरा टी20 , बोलैंड पार्क, पारल

मंगलवार, 1 दिसंबर= तीसरा टी20 , न्यूलैंड्स, केपटाउन

शुक्रवार, 4 दिसंबर= पहला वनडे , न्यूलैंड्स, केपटाउन

रविवार, 6 दिसंबर= दूसरा वनडे , बोलैंड पार्क, पार्ल

बुधवार, 9 दिसंबर= तीसरा वनडे, न्यूलैंड्स, केपटाउन

शुरुआत में अजीब लगता था पर बाद में खाली स्टेडियम की आदत हो गई : कोहली

अबू धाबी।

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि शुरुआत में खाली स्टेडियमों में खेलना अजीब लगता था लेकिन बाद में खाली स्टैंड्स के बीच खेलने की आदत पड़ गई। कोहली ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत के दौरान कहा, शुरुआत में बिना फैन्स के स्टेडियम में प्रवेश करना अजीब लगता था। उत्साह काफी होता था लेकिन आप जैसे ही स्टेडियम पहुंचते हैं, स्टैंड्स खाली देखकर आपको अजीब लगता है क्योंकि मैंने एक अरसे से खाली स्टेडियम में नहीं खेला है। धीरे-धीरे हालांकि इसकी आदत पड़ गई। कोहली की टीम के साथी अब्राहम डिविलियर्स ने भी इसी तरह की बात कुछ दिनों पहले कही थी। डिविलियर्स ने कहा था कि बीते साल के आईपीएल की तुलना में इस साल का माहौल बिल्कुल बदला हुआ है। कोहली ने कहा कि जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ता गया खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के रोमांच का अनुभव करना शुरू कर दिया और इसी में उन्हें मजा आने लगा।

हॉकी मिजोरम को मिला 2019-20 का श्रेष्ठ एचआई सदस्य का पुरस्कार

नई दिल्ली। हॉकी मिजोरम को 2019-20 के लिए श्रेष्ठ हॉकी इंडिया (एचआई) सदस्य चुना गया है। अध्यक्ष जोथानकिमी और महासचिव लालरिनफेला की देखरेख में हॉकी मिजोरम ने राज्य में हॉकी के विकास के लिए कई सराहनीय काम किए और इसी के लिए एचआई ने उसे सम्मानित किया है। हॉकी इंडिया ने राकेश कुमार को श्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार दिया। राकेश को इंटरनेशनल और डोमेस्टिक स्तर पर कई टूर्नामेंट्स के आयोजन को लेकर पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा जावेद शेख को श्रेष्ठ अम्पायर और मैनेजर का पुरस्कार दिया गया। नागपुर के मनीष गौर को 2019-20 के लिए श्रेष्ठ टेक्निकल ऑफिसर का पुरस्कार मिला।

रोमांचक होगी बेंगलोर, हैदराबाद की जंग

अबू धाबी।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के 13वें सीजन में एलिमिनेटर मुकाबले में आज रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर और सनराइजर्स हैदराबाद का सामना शेख जाएद स्टेडियम में होगा। इस मैच को हारने वाली टीम लीग से बाहर हो जाएगी, जबकि जीतने वाली टीम को क्वालीफायर-2 खेलने का मौका मिलेगा जिसे जीतकर वह फाइनल में पहुंच सकती है। बेंगलोर को लीग चरण के अपने अंतिम मैच में हार का सामना करना पड़ा था। वहीं हैदराबाद ने अपने अंतिम लीग मैच में मुंबई जैसी मजबूत टीम को 10 विकेट से मात दी थी। मुंबई जैसी टीम को मात दे प्लेऑफ में आ रही हैदराबाद का निश्चित तौर पर आत्मविश्वास बढ़ा होगा। इन दोनों के बीच लीग चरण में जो दो मैच खेले गए थे उनमें दोनो टीमों के हिस्से एक-एक जीत आई थी। हैदराबाद शानदार फॉर्म में है। गेंदबाजी से लेकर बल्लेबाजी तक सब अच्छा चल रहा है। भुवनेश्वर कुमार के चोटिल होने के बाद लगा था कि टीम की गेंदबाजी बिखर जाएगी लेकिन संदीप शर्मा, जेसन होल्डर और टी. नटराजन ने उनकी कमी खलने नहीं दी। टीम की गेंदबाजी अभी भी मजबूत है और इसका उदाहरण मुंबई के खिलाफ मैच में देखने को मिला था जहां मुंबई का मजबूत बल्लेबाजी क्रम 150 के आंकड़े को भी नहीं छू सका था। एक बार फिर टीम उम्मीद करेगी की यह तीनों विराट कोहली, एबी डिविलियर्स के सामने अच्छा प्रदर्शन करें। हालांकि बेंगलोर की बल्लेबाजी में सिर्फ यह दोनों खिलाड़ी ही नहीं हैं बल्कि देवदत्त पडिकल भी एक नाम है जो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। क्रिस मौरिस भी अंत में तेजी से रन बनाते हैं। इसलिए हैदराबाद को सिर्फ दो बल्लेबाजों को ही नहीं देखना होगा। स्पिनर राशिद खान हैदराबाद की गेंदबाजी में वो नाम हैं जो किसी भी बल्लेबाज को अपनी फिरकी में फंसा सकता है। मध्य के ओवरों में हैदराबाद के लिए राशिद ने शानदार काम किया और डेथ ओवरों में संदीप और नटराजन ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया है। गेंदबाजी बेंगलोर की भी अच्छी है। नवदीप सैनी, इसुरु उदाना और मौरिस से निपटना हैदराबाद के बल्लेबाजों के लिए भी चुनौती होगा। युजवेंद्र चहल और वॉशिंगटन सुंदर की स्पिन जोड़ी भी टीम के लिए उपयोगी योगदान देती आई है। हैदराबाद ने पिछले कुछ मैचों में सलामी जोड़ी मे बदलाव किया है और कप्तान वार्नर के साथ रिद्धिमान साहा पारी की शुरूआत करने आ रहे हैं। यह जोड़ी टीम के लिए कारगर साबित हुई है। इसलिए बेंगलोर की कोशिश होगी कि वह इस जोड़ी को जल्द से जल्द पवेलियन पहुंचाए। इन दोनों के बाद टीम का भार मनीष पांडे, केन विलियम्सन, प्रियम गर्ग और होल्डर के जिम्में आ जाती है। यह सभी टीम को बचाने और मजबूत स्कोर प्रदान करने में सक्षम हैं।

संक्षिप्त समाचार

ज्ञानेंद्रो निंगोम्बाम निर्विरोध चुने गए हॉकी इंडिया के अध्यक्ष

नई दिल्ली। मणिपुर के ज्ञानेंद्रो निंगोमबाम निर्विरोध हॉकी इंडिया (एचआई) के अध्यक्ष चुने गए हैं जबकि पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद मुश्ताक अहमद की एचआई के कार्यकारी बोर्ड में वापसी हुई है। वह निर्विरोध उपाध्यक्ष चुने गए हैं। ज्ञानेंद्रो एचआई में पूर्वोत्तर से आने वाले पहले अध्यक्ष हैं। इसी साल जुलाई में मुश्ताक के इस्तीफा देने के बाद वह अध्यक्ष चुने गए थे। एचआई के महासचिव राजिंदर सिंह ने कहा, ज्ञानेंद्रो और मुश्ताक को हॉकी प्रशासन का लंबा अनुभव है। मुझे पूरा विश्वास है कि उनकी योग्यता खेल को फायदा पहुंचाएगी। उनकी सलाह देश में खेल को आगे ले जाने के लिए कारगर रहेगी। ज्ञानेंद्रो को दो साल के लिए अध्यक्ष चुना गया है। वह मणिपुर हॉकी में 2009 से 2014 तक मुख्य कार्यकारी अधिकारी के तौर पर काम कर चुके हैं। वह एक दशक से राज्य की हॉकी से जुड़े हुए हैं। एचआई की 10वीं कांग्रेस का शुक्रवार को आयोजित किया गया है जहां ज्ञानेंद्रो और मुश्ताक ने अपने-अपने कार्यभार संभाले। इसमें घरेलू कैलेंडर की शुरुआत पर भी चर्चा हुई। सिंह ने कहा, हमारी आज की बैठक काफी शानदार रही। सभी राज्यों के प्रतिनिधियों ने इसमें हिस्सा लिया। कई मुद्दों पर बैठक में चर्चा हुई जिसमें घरेलू कैलेंडर की शुरुआत, सरकारी गाइडलाइंस का पालन करते हुए वार्षिक नेशनल चैम्पियनशिप-2021 के सफल आयोजन के लिए सभी राज्य संघों के समर्थन की जरूरत, खासकर कोविड-19 जैसी स्थिति में, इन मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कह, अगले साल की प्लानिंग भी एक मुद्दा थी जहां सभी चार राष्ट्रीय टीमों के टूर्नामेंट को लेकर भी बात हुई। सीनियर और जूनियर टीमों को अधिक अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टूर्नामेंट मुहैया कराने जिससे उन्हें टोक्यो ओलम्पिक खेलों की तैयारी करने में मदद मिले, इस पर भी बात हुई। हमारी कोशिश है कि हम ओलम्पिक की तैयारी के लिए किसी भी तरह की कमी नहीं छोड़ें।

अफगानिस्तान की राष्ट्रीय महिला टीम के लिए 25 खिलाड़ी शॉर्टलिस्ट

काबुल। राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम बनाने के लिए अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) आने वाले दिनों में 25 खिलाड़ियों को केंद्रीय अनुबंध देगा। बोर्ड ने एक बयान में कहा है कि उसने 40 खिलाड़ियों का एक शिविर आयोजित किया था जिसमें से 25 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है जिन्हें वो जल्द ही केंद्रीय अनुबंध देगा। बोर्ड ने बताया, शिविर के दौरान, जो 17 अक्टूबर को लगाया गया था, उसमें खिलाड़ियों ने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग का अभ्यास किया है और अपनी फिटनेस पर भी काम किया। एसीबी ने हाल ही में राहमतुल्लाह कुरैशी को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनाया है। कुरैशी ने कहा, हमारा लक्ष्य देश में क्रिकेट जैसे खेल को बढ़ावा देना है क्योंकि यह देश में खुशी लेकर आता है और हमारे देशवासियों को उम्मीद देता है।

खेल मंत्रालय ने फुटबॉलर मनितोम्बी सिंह के परिवार के लिये पांच लाख के अनुदान को मंजूरी दी

नयी दिल्ली,

खेल मंत्रालय ने पूर्व भारतीय फुटबॉलर मनितोम्बी सिंह के परिवार के वित्तीय संकट को कम करने के लिये शुक्रवार को पांच लाख रुपये के अनुदान को मंजूरी दी। डिफेंडर मनितोम्बी का लंबी बीमारी के बाद अगस्त में इंफाल में निधन हो गया था। वह 39 वर्ष के थे। उनके परिवार में माता-पिता, पत्नी और आठ साल बेटा है। परिवार पूरी तरह से उनकी कमाई पर ही निर्भर था। मोहन बागान के पूर्व खिलाड़ी मनितोम्बी सिंह ने 2002 में वियतनाम में एलजी कप में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। वह 2002 बुसान एशियाई खेलों में भी टीम का हिस्सा थे। खेल मंत्री किरेन रीजीजू ने इस फैसले के बारे में कहा, ''मनितोम्बी ने भारतीय फुटबॉल में अहम योगदान दिया। उन्होंने मणिपुर के कोच के रूप में भी योगदान दिया। जब हमें पता चला कि उनके निधन के बाद उनका परिवार वित्तीय संकट से जूझ रहा है तो उनकी मदद करना कर्तव्य बन जाता है।'' यह अनुदान खिलाड़ियों के लिये पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कोष के तहत मंजूर किया गया।

इकेंटल चैलेंजर : रामकुमार ने किया उलटफेर, डोन्सकी को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे

इकेंटल (जर्मनी) : भारतीय टेनिस खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन ने शुक्रवार को यहां एकल वर्ग में चौथे वरीय इवजेनी डोन्सकी को हराकर उलटफेर करते हुए इकेंटल चैलेंजर के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। गैर वरीयता प्राप्त भारतीय ने रूसी खिलाड़ी को महज 57 मिनट में 6-2 6-1 से शिकस्त दी और यूरो 88520 इंडोर टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल के दौरान 11 ऐस जमाए। रामकुमार ने अंतिम चार में पहुंचकर अपने 35 अंक पक्के कर लिये हैं जिससे वह फिर से शीर्ष 200 में वापसी कर लेंगे। वह अभी 206 रैंकिंग पर हैं। यह रामकुमार का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में बैंकाक चैलेंजर के क्वार्टरफाइनल में पहुंचना था। उन्होंने कोरोना वायरस के कारण लंबे ब्रेक के बाद पिछले महीने ही प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी की। रामकुमार की डोन्सकी पर यह पहली जीत है जिनकी रैंकिंग 120 है। गौर हो कि पिछली बार दोनों की भिड़ंत 2015 कार्शी चैलेंजर में हुई थी जिसमें भारतीय खिलाड़ी को हार का सामना करना पड़ा था।

हम कहीं से भी लक्ष्य हासिल करते हुए नहीं दिख रहे थे : पोंटिंग

दुबई।

दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने स्वीकार किया है कि मुम्बई इंडियंस के साथ हुए क्वालीफायर-1 मुकाबले में उनकी टीम किसी भी हालत में 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करती हुई नहीं दिख रही थी। मुम्बई ने दिल्ली को हराकर फाइनल में प्रवेश किया और अब दिल्ली को दूसरे क्वालीफायर में खेलना होगा। दूसरा क्वालीफायर सनराइजर्स हैदराबाद और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के बीच शुक्रवार को होने वाले मुकाबले के विजेता और दिल्ली के बीच होगा। मुम्बई ने पहले खेलते हुए दिल्ली के सामने 201 रनों का लक्ष्य रखा लेकिन दिल्ली की टीम 8 विकेट पर 143 रन ही बना सकी। पोंटिंग ने इस मैच के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, शुरुआत के ओवरों में हमारा एक्जक्यूशन किसी भी तरह से लक्ष्य का पीछा करने लायक नहीं था। यही हाल गेंदबाजी का भी रहा। पहले ही ओवर में हमने 18 रन दिए और यहीं से हम लय खो बैठे। बीच में हमने वापसी की कोशिश् की लेकिन बाद में हमारा प्लान फिर खराब हो गया। हमारा एक्जक्यूशन मीलों दूर था।

अपने बैकग्राउंड के कारण मैंने भी थोड़ा नस्लवाद झेला है : नासिर हुसैन

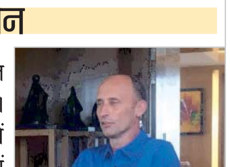

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि वह भाग्यशाली थे कि उनका पालन-पोषण बहुसंस्कृति समाज में एक मध्यम वर्गिय परिवार मे हुआ और उन्होंने अपनी क्रिकेट काउंटी एसेक्स जैसे मल्टी कल्चर क्लब में खेली। हुसैन ने पाकपैशन डॉट नेट से बात करते हुए कहा, मुझे एसेक्स में बहुत कम नस्लवाद का सामना करना पड़ा। मैं भारत में पैदा हुआ और इलफोर्ड में पला-बढ़ा। हुसैन सरनेम होने और नाम नासिर होने से मुझे अज्ञानता के कारण कुछ टिप्पणियां सुनने को मिलीं। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली था कि मैं एसेक्स के लिए खेला जहां हमारे मध्य क्रम में नदीम शाहिद, सलीम मलिक और मैं थे। इलफोर्ड में मैं जहां पला-बड़ा वहां मल्टी-कल्चर काउंटी थी। मेरे पिता और उनके क्रिकेट स्कूल में ब्रिटिश वेस्टइंडियन, ब्रिटिश इंडियन और ब्रिटिश पाकिस्तानी लोग थे और जब भारत-पाकिस्तान का मैच होता या इंग्लैंड अगर वेस्टइंडीज से हार जाती तो हम एक दूसरे के साथ खूब हंसी मजाक करते थे।

मैं अब कोर्ट पर फिट हूं और खेलने के लिए तैयार हूं : पीवी सिंधु

नई दिल्ली।

अपने प्रशंसकों को कुछ दिन पहले हैरत में डालने वाली भारत की महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने कहा है कि उनका स्वास्थ्य भी अच्छा है और वह कोर्ट पर जाने के लिए भी फिट हैं। सिंधु का कहना है कि वह आने वाले दिनों में टूर्नामेंट खेलने के लिए तैयार हैं। सिंधु ने आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने किस तरह कोविड-19 के कारण लगे लॉकडाउन का सामना किया, टोक्यो ओलम्पिक के स्थगित होने पर उनकी क्या प्रतिक्रिया थी। साथ ही कोच पुलेला गोपीचंद के साथ अपने संबंध पर भी सिंधु ने बात की। रियो ओलम्पिक की रजत पदक विजेता ने लॉकडाउन को लेकर कहा, जो रोज का रुटीन था उसे अचनाक से रोकना आसान नहीं था। लेकिन हम सभी को पता था कि सभी चीजों को रोकना और अपना ख्याल रखना कितना अहम है। उन्होंने कहा, मैंने अपने आप को घर में काम कर एक्टिव रखने की कोशिश की और इससे मुझे मदद भी मिली। मैंने अपने परिवार के साथ भी काफी समय बिताया और कुछ नई चीजें जैसे पेंटिंग भी सीखीं। उन्होंने कहा, मैं कोर्ट नहीं जा पा रही थी इसलिए जब मैंने शुरुआत की तो यह थोड़ा मुश्किल था। लेकिन मुझे लगता है कि अब मैं कोर्ट पर जान के लिए भी फिट हूं और टूर्नामेंट खेलने के लिए तैयार। इसी कोविड-19 के कारण इसी साल होने वाले टोक्यो ओलम्पिक खेलों को एक साल के लिए स्थगित कर दिया गया है। सिंधु ने कहा कि वह स्थिति को देखते हुए स्थगन के लिए तैयार थीं और इसलिए उन्हें इससे हैरानी नहीं हुई। उन्होंने कहा, पूरे विश्व में जो हो रहा था उससे साफ पता चल रहा था कि टोक्यो ओलम्पिक स्थगित हो जाएंगे। मैंने मानसिक तौर पर इसकी तैयारी भी शुरू कर दी थी। सिंधु ने हालांकि कहा कि इस ब्रेक ने उनकी लय को नहीं तोड़ा और वह ओलम्पिक में स्वर्ण पदक के सपने को पूरा करना चाहती हैं। सिंधु ने कहा, मैं अपने आप को 2021 में खेलने के लिए मानसिक और शारीरिक तौर पर तैयार कर रही थी। हम ज्यादा दूर नहीं थे और यह पूरे विश्व की स्थिति थी। इसलिए हर खिलाड़ी समान स्थिति में से गुजरा। हम सभी को इस स्थिति को समझना है, ट्रेनिंग करनी है और टोक्यो खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। विश्व चैम्पियन सिंधु ने सितंबर में डेनमार्क ओपन से नाम वापस ले लिया था लेकिन वह थॉमस और उबर कप में खेलने को तैयार हो गई थीं जो बाद में स्थगित कर दिया गया।

बायो बबल में रहना कई बार मुश्किल हो जाता है : कोहली

अबू धाबी।

भारतीय टीम के कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि बायो बबल में लंबे समय तक रहना खिलाड़ियों के लिए कई बार मानसिक तौर पर नुकसानदायक हो सकता है इसलिए सीरीज की समय सीमा पर विचार किया जाना चाहिए। कोहली इस समय आईपीएल-13 में रॉयल चैलेंजर्स बंगलोर की कप्तानी कर रहे हैं। आईपीएल इस बार संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जा रहा है जिसमें एलिमिनेटर में शुक्रवार को बेंगलोर का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। कोहली ने आरसीबी टीवी से बात करते हुए कहा, यह बारबार होगा यह तब मुश्किल नहीं होता है जब टीम के साथी शानदार हों, जो हमारे पास हैं। जो भी इस बायो बबल में हैं वो शानदार हैं और भावना अच्छी है। इसलिए हम एक साथ खेलने का लुत्फ लेते हैं। हम बबल में अपने समय का आनंद लेते हैं, लेकिन यह कई बार मुश्किल हो जाता है क्योंकि यह बार-बार होता है। उन्होंने कहा, इन चीजों पर ध्यान दिया जाना चाहिए कि टूर्नामेंट या सीरीज की समय सीमा कितनी है। 80 दिन तक इस तरह के माहौल में रहने और कुछ भी न करने का खिलाड़ी की मानसिक स्थिति पर क्या असर पड़ेगा। या खिलाड़ियों को जाकर अपने परिवार से मिलने का मौका मिलना चाहिए, इस तरह की छोटी चीजों के बारे में सोचना चाहिए। इन चीजों के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए। कोहली ने कहा, आखिरी में आप चाहते हो कि खिलाड़ी अच्छी मानसिक स्थिति में रहे। आईपीएल खत्म होने के तुरंत बाद भारतीय टीम को आस्ट्रेलियाई दौरे पर जाना है जहां वो तीन मैचों की वनडे सीरीज, तीन मैचों की टी-20 सीरीज और चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। दौरे की शुरुआत 27 नवंबर से हो रही है जो अगले साल 15 जनवरी तक चलेगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उर्वशी रौतेला ने खोला राज- प्रिंसेज की तरह ट्रीट करता था पिछला बॉयफ्रेंड

उर्वशी रौतेली बॉलिवुड की खूबसूरत ऐक्ट्रेसस में से एक हैं। उनका नाम पास्ट में कई सिलेब्स से जुड़ चुका है। हार्दिक पांड्या के साथ भी उनके लिंकअप की खबरें आ चुकी हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर उन्होंने रिलेशनशिप्स की खबरों से इनकार किया था। रीसेंटली प्यार के बारे में उन्होंने अपने मन की बात शेयर की है।

उर्वशी ने किया था लिंकअप की खबरों से इनकार

पहले जब उर्वशी का नाम लोगों से जोड़ा गया था तो उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, मैं मीडिया चैनल्स और यूट्यूब से प्रार्थना करती हूं कि ऐसे वीडियो अपलोड ना करें क्योंकि मेरा परिवार है जिसे मुझे जवाब देना पड़ता है और इससे प्रॉब्लम होती है। फिलहाल खुद को सिंगल बताने वाली उर्वशी ने प्यार के बारे में अपने दिल की बात कही है। उनका कहना है, मुझे प्यार पर हमेशा यकीन था।

बताया- रिलेशन में खुद होंगी 'रिच बॉयफ्रेंड'

रिपोर्ट के मुताबिक, उर्वशी ने अपने पुराने बॉयफ्रेंड्स के नाम और डिटेल तो नहीं बताए। यह टॉपिक आने पर उनकी पुरानी यादें ताजा हो गईं और उन्होंने कहा, मेरा पिछला बॉयफ्रेंड मुझे प्रिंसेज की तरह ट्रीट करता था। हालांकि उर्वशी का यह भी कहना है कि वह नहीं चाहतीं कि उनका बॉयफ्रेंड उन्हें ऐसे ट्रीट करे। वह बताती हैं, कई बार मेरे दोस्त कहते हैं कि तुम वेल सेटल्ड हो, तो किसी अमीर लड़के से शादी कर लो। तब मैं उनको बताती हूं कि जो रिलेशनशिप होगा, उसमें मैं 'रिच बॉयफ्रेंड' होऊंगी।

साइना नेहवाल की बायोपिक से परिणीति चोपड़ा का फर्स्ट लुक आउट

एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा की आने वाली फिल्म साइना नेहवाल की बायोपिक से फर्स्ट लुक रिलीज हुआ हैं। परिणीति चोपड़ा बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल की बायोपिक में अभिनय कर रही हैं। फिल्म की शूटिंग लॉकडाउन के बाद एक बार फिर से शुरू कर दी गयी है और काफी हद तक पूरी की जा चुकी हैं। शूटिंग पूरी होते ही सोशल मीडिया पर परिणीति चोपड़ा के फैन क्लब ने उनका पहला लुक साझा किया किया हैं। परिणीति चोपड़ा के फैन क्लब की तरफ से जारी की गयी तस्वीर को साइना नेहवाल ने रीट्वीट करते हुए अपने लुक के बारे में बताया। फिल्म की शूटिंग 2019 में शुरू हुई। बायोपिक का निर्देशन अमोले गुप्ते द्वारा किया जाएगा, जिन्होंने फिल्म स्टैनली का डब्बा और हवा हवई में भी काम किया था। एक पूर्व साक्षात्कार में, परिणीति ने कहा कि नेहवाल और फिल्म के साथ न्याय करना उनके लिए अत्यंत प्राथमिकता है। यह परियोजना मेरे लिए बिल्कुल सही है। अमोले (गुप्ते, निर्देशक) सर और उनकी टीम यह सुनिश्चित कर रही है कि मेरे पास वह सब कुछ हो जो मुझे चाहिए। एक महान फिजियो टीम और विश्वस्तरीय खिलाड़ी मुझे प्रशिक्षित करने के लिए दौड़ पड़े हैं।

पौराणिक चरित्र को निभाना नियमित सास बहू शो से बहुत अलग है - रति पांडे

एक अभिनेता के जीवन में मुख्य रूप से रील लाइफ से रियल लाइफ में स्विच करना और साथ ही साथ अपने पात्रों को कैमरे के सामने चित्रित करना अनिवार्य होता है। वे चरित्र को अच्छी तरह निभाने और अपनी क्षमता का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए बहुत प्रयास करते हैं। यह प्रक्रिया एक और स्तर तक बढ़ जाती है जब उन्हें एक पौराणिक चरित्र को निभाना होता है।

रति पांडे, जो जल्द ही दंगल टीवी की 'देवी आदि पराशक्ति' में देवी के रूप में दिखाई देंगी, वह भूमिका की तैयारी के अपने अनुभव को साझा करती है और चरित्र को प्रामाणिक रखने के लिए वह क्या करती हैं।

रति ने कहा, नियमित रूप से सास बहू शो की तुलना में पौराणिक पात्रों को निभाना बहुत अलग है। जबकि निर्माता तथ्यों को ध्यान में रखना सुनिश्चित करते हैं, हम अभिनेता के रूप में भूमिका निभाने के लिए अपनी पूरी कोशिश करते हैं।

उन्होंने कहा, मेरे लिए, भाषा को पूर्ण करना थोड़ा मुश्किल था। इसलिए, मैंने सेट पर जाने से पहले संवादों को पढ़ना और अभ्यास करना सुनिश्चित किया। और एक अतिरिक्त चीज जो मैं करती हूं वो यह है कि मैं केवल शाकाहारी भोजन खाती हूं जब मैं सेट पर अपनी देवी के पोशाक में रहती हूं। यह मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण है और मेरे चरित्र को सम्मान देने का मेरा ये संकेत है।

क्रिसमस पर रिलीज नहीं होगी रणवीर सिंह की फिल्म 83, जानें नयी तारीख

अक्षय कुमार और कैटरीना कैफ की फिल्म सूर्यवंशी के बाद, रणवीर सिंह-स्टार 83 के निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज में देरी की है। फिल्म को इस साल क्रिसमस पर रिलीज़ करने की योजना बनायी गयी थी लेकिन क्रिसमस 2020 से भी इसकी रिलीज को आगे बढ़ाया जा रहा है। पहले ये फिल्म 10 अप्रैल 2020 को रिलीज होने वाली थी लेकिन कोरोनावायरस महामारी के कारण सिनेमाघर बंद रहे। निर्माताओं ने प्रचार अभियान की योजना के लिए समय की कमी का हवाला दिया और फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ा दिया।

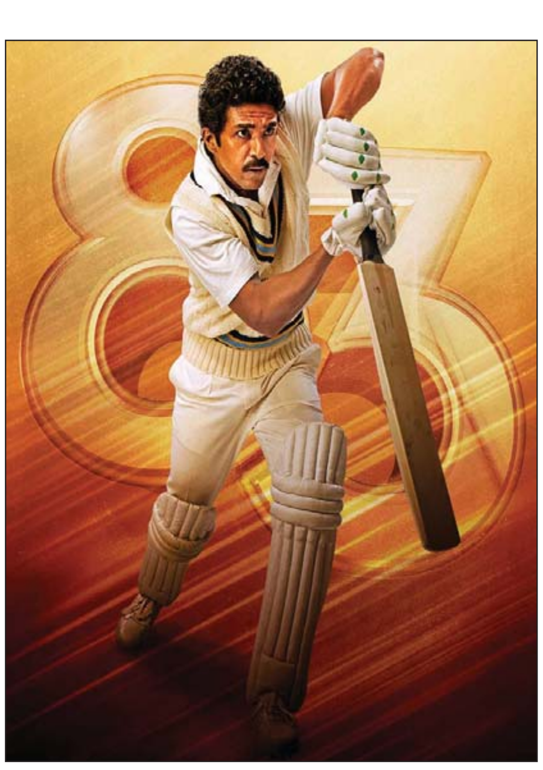

रिलायंस एंटरटेनमेंट के सीईओ शिबाशीष सरकार ने मुंबई मिरर को बताया, फ्रिसमस अब एक संभावना नहीं है क्योंकि हम एक महीने के भीतर मार्केटिंग अभियान नहीं चला पाएंगे। इसके अलावा, फिल्मों के विदेशी बाजार भी अभी बंद है और हमारे बिजनेस के लिए ये महत्वपूर्ण हैं। कोविद की दूसरी लहर के कारण फिर विदेशी बाजार बंद हो गए। सरकार ने कहा कि उम्मीद है कि फिल्म को जनवरी से मार्च के बीच बॉक्स ऑफिस पर रिलीज करने की योजना बनाई जा रही हैं। जबकि इससे पहले, कई फिल्म निर्माताओं ने फिल्मों की रिलीज़ के लिए डिजिटल मार्ग पर जाने का फैसला किया, थिएटर चेन ने घोषणा की कि क्रमशः 83 और सूर्यवंशी क्रिसमस और दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज़ होंगे। हालांकि, अक्टूबर में, रिलायंस एंटरटेनमेंट ने सूर्यवंशी की रिलीज़ की तारीख बदलने और अगले साल फिल्म को आगे बढ़ाने का फैसला किया।

एक साक्षात्कार में, शिबाशीष सरकार ने कहा, फ्हम निश्चित रूप से सूर्यवंशी और 83 की रिलीज की तारीख को बदलना नहीं चाहते हैं। स्पोर्ट्स ड्रामा अभी भी क्रिसमस पर रिलीज होने की उम्मीद है। हमें निर्देशक और अभिनेता के साथ सूर्यवंशी की नई तारीख तय करनी होगी, लेकिन फिल्म जनवरी और मार्च के बीच रिलीज होनी चाहिए।

बागी और हीरोपंती के बाद तीसरी एक्शन सीरीज लेकर आ रहे हैं टाइगर श्रॉफ

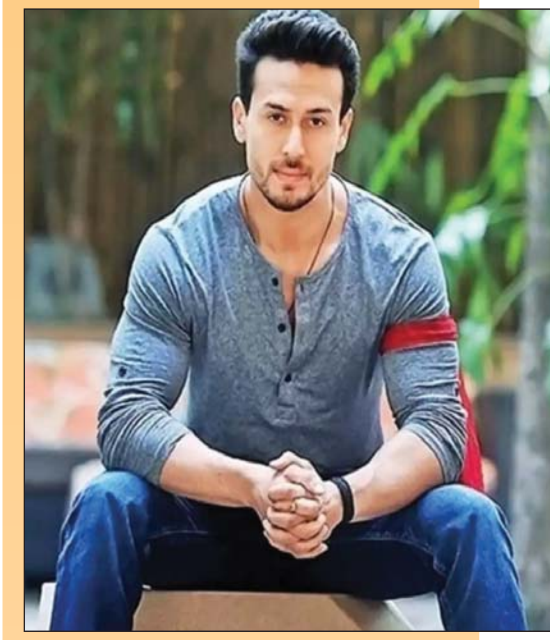

बागी 4 और हीरोपंती 2 की घोषणा के बाद, टाइगर श्रॉफ ने 'गणपति' नामक एक और एक्शन फैंचाइज़ी की घोषणा करने के लिए सोशल मीडिया पर कदम रखा। उन्होंने टीज़र पोस्टर के साथ अपनी नई फिल्म की घोषणा की। उन्होंने लिखा, 'यह मेरे लिए और विशेष रूप से खास है! गणपति को प्रजेंट कर रहे हैं। आप सभी अधिक एक्शन, रोमांच और मनोरंजन के लिए तैयार रहना।

गणपत की शूटिंग 2021 के मध्य में शुरू होगी। फिल्म 2022 को रिलीज होगी। फिल्म का निर्देशन विकास बहल करेंगे। यह वाशु भगनानी, विकास बहल, दीपशिखा देशमुख और जैकी भगनानी द्वारा निर्मित होगी।

इससे पहले टाइगर ने घोषणा की कि वह इस साल दिसंबर में हीरोपंती 2 की शूटिंग शुरू करेंगे। वह बागी 4 पर भी काम शुरू करेंगे। अभिनेता ने अपनी बागी 2 और बागी 3 के निर्देशक अहमद खान के साथ हीरोपंती 2 और बागी 4 के लिए पुनर्मिलन किया है। टाइगर एक्शन फैंचाइज़ी के राजा हैं। हीरोपंती से लेकर बाघी फेंचाइजी तक, सभी ब्लॉकबस्टर रही हैं।

नालागढ़ के महाराजा ने कंगना रनौत को डिनर के लिए बुलाया

कंगना रनौत की बहन और प्रबंधक रंगोली चंदेल ने प्रशंसकों को नालागढ़ के महाराजा, विजयेंद्र सिंह के साथ अपनी मस्ती भरी शाम की झलक दी है। उन्होंने मनाली में एक्ट्रेस कंगना और उनके परिवार के लिए एक रात्रिभोज की मेजबानी की।

रंगोली चंदेल ने अपने सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरे और वीडियो पोस्ट किए हैं। एक फोटो में, कंगना और बाकी सभी को आसपास बैठे देखा जा सकता है। रंगोली चंदेल ने तस्वीर को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा नालागढ़ के महाराजा विजयेंद्र सिंह के एक प्रिय पारिवारिक मित्र ने कंगना और हमारे लिए मनाली में रात्रिभोज का आयोजन किया, ऐसी कृपापूर्ण और अद्भुत मेजबानी, बहुत-बहुत धन्यवाद।

इस बीच, मुंबई पुलिस ने 10 नवंबर को कंगना और रंगोली पर ट्वीट के माध्यम से 'घृणा और सांप्रदायिक तनाव' पैदा करने का प्रयास करने का आरोप लगाया था। दोनों बहनों को दूसरा समन जारी कर दिया गया है क्योंकि पहले समन के दौरान वे पहले अपने भाई की शादी की तैयारियों में व्यस्त थे।

पिछले महीने, एक बांद्रा मेट्रोपॉलिटन अदालत ने मुंबई पुलिस को निर्देश दिया कि वह कास्टिंग डायरेक्टर और फिटनेस ट्रेनर मुन्नावाली सैय्यद द्वारा एक निजी शिकायत के आधार पर कंगना और रंगोली के खिलाफ एफआईआर दर्ज करे, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उन पर घृणा और सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश 'की गई थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दोनों के बीच सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

आर्मी चीफ नरवणे ने नेपाली समकक्ष से की मुलाकात

काठमांडू, एजेंसी। भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे ने गुरुवार को अपने नेपाली समकक्ष जनरल पूर्ण चंद्र थापा से मुलाकात की और दोनों सेनाओं के बीच सहयोग और मित्रता के मौजूदा संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के उपायों पर चर्चा की।

जनरल थापा के निमंत्रण पर जनरल नरवणे तीन दिवसीय यात्रा पर अभी काठमांडू में हैं। उनकी यात्रा काफी हद तक दोनों देशों के संबंधों को मजबूत करने के मकसद से है। दोनों देशों के संबंध सीमा विवाद को लेकर तनावपूर्ण हो गए हैं। उन्होंने थापा से यहां उनके कार्यालय में मुलाकात की।

नेपाल थलसेना मुख्यालय द्वारा एक बयान के अनुसार, उन्होंने द्विपक्षीय हितों के मुद्दों के अलावा दोनों सेनाओं के बीच मित्रता और सहयोग के मौजूदा बंधन को और मजबूत बनाने के उपायों पर चर्चा की। बयान में कहा गया है कि उन्हें नेपाली सेना के इतिहास और वर्तमान भूमिकाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। बुधवार को काठमांडू पहुंचे नरवणे बृहस्पतिवार को सेना मुख्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल हुए। गुरुवार सुबह आर्मी पैविलियन में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के बाद उन्हें सेना मुख्यालय में 'गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्होंने पहले के वरिष्ठ सैन्य आगंतुकों की परंपरा के अनुसार सेना मुख्यालय में एक पेड़ भी लगाया। उन्होंने नेपाली सेना के दो फील्ड अस्पतालों के लिए वेंटिलेटर, एम्बुलेंस और चिकित्सा उपकरण भी सौंपे।

थापा ने नेपाल में बने 1,00,000 मेडिकल मास्क और शांति के प्रतीक के रूप में भगवान बुद्ध की एक मूर्ति नरवणे को भेंट की।

राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी बृहस्पतिवार को ही नरवणे को नेपाली सेना के जनरल रैंक की मानद उपाधि प्रदान करेंगी। वह शुक्रवार को प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली से मिलेंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आठ मई को उत्तराखंड में धारचूला को लिपुलेख दर्रे से जोड़ने वाली 80 किलोमीटर लंबी अहम सड़क का उद्घाटन किया था। उसके बाद दोनों देशों के संबंधों में तनाव में आ गया।

नेपाल ने सड़क के उद्घाटन का विरोध करते हुए दावा किया कि यह उसके भूक्षेत्र से होकर गुजरता है। इसके बाद नेपाल ने लिपुलेख, कालापानी और लिंपियाधुरा को अपने हिस्से के रूप में दिखाया।

अब कंपकंपाती ठंड में भी चीन की चाल को नाकाम करेगी इंडियन आर्मी, पूर्वी लद्दाख में तैनात जवानों को विशेष कपड़े मिले

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में वास्ताविक नियंत्रण रेखा पर चीन के साथ जारी गतिरोध के बीच भारतीय सेना ने अपने सैनिकों को और मजबूत किया है। पूर्वी लद्दाख में कंपकपी सर्दी के साथ सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों के लिए अमेरिका से कपड़े इम्पोर्ट किया गया हैं। अब कंपकंपाती ठंड में भी भारतीय सेना के जवान पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी के सैनिकों से डटकर मुकाबला करेंगे। रक्षा सूत्रों द्वारा बुधवार को जारी एक तस्वीर में दिखाया गया कि भारतीय सेना के एक जवान ने हाल ही में आर्मी को मिले एसआईजी सॉयर असॉल्ट राइफल के साथ सफेद पोशाक पहना हुआ है। सेना, चीन सीमा पर तैनाती के दौरान सर्दियों को मात देने में मदद करने के लिए सैनिकों को नए ठिकाने और कपड़े मुहैया करा रही है। सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना ने सियाचिन और पूर्वी लद्दाख क्षेत्र में पश्चिमी मोर्चों सहित पूरे लद्दाख क्षेत्र में तैनात सैनिकों के लिए इन कड़क ठंड के मौसम के कपड़ों के सेट का 60,000 का स्टॉक रखा है। इस वर्ष, इन सेटों की अतिरिक्त 30,000 की आवश्यकता थी, क्योंकि एलएसी पर चीनी आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए इस क्षेत्र में करीब 90,000 सैनिक तैनात हैं।

भारत-चीन सैन्य कमांडरों के बीच आठवें दौर की वार्ता कल

वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत-चीन के बीच जारी तनाव के दौरान दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच आठवें दौर की वार्ता छह नवंबर को चुशुल में होगी। पूर्व में हुईं सात दौर की वार्ताओं में टकराव के बिन्दुओं का हल निकालने पर सहमति तो बनी, लेकिन जमीनी स्तर पर उनका क्रियान्वयन अब तक नहीं हुआ। सेना के सूत्रों ने छह नवंबर को आठवें दौर की बैठक होने की पुष्टि की है। बैठक में एलएसी पर जारी तनाव का हल निकलने की उम्मीद है। दोनों देश तनाव कम करने के लिए मई से पहले की स्थिति बहाल करने समेत अन्य मुद्दों पर सहमत हैं, लेकिन इस पर अमल में देरी हो रही है।

ओबामा से लेकर बिल क्लिंटन तक...जो बाइडेन ने तोड़ दिए अमेरिका में सभी के रिकॉर्ड

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के लिए वोटों की गिनती जारी है। अब तक के काउंटिंग में जो नतीजे सामने आए हैं, उसमें डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन बाजी मारते नजर आ रहे हैं। डेमोक्रटिक उम्मीदवार जो बाइडेन ने राष्ट्रपति पद के लिए निर्धारित 270 इलेक्ट्रोरल वोटों में से 264 वोट हासिल कर लिया है, जबकि मौजूदा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 214 मत मिले हैं। लेकिन इस बीच जो बाइडेन ने एक ऐसा भी रिकॉर्ड बनाया है, जो अमेरिका के इतिहास में किसी और राष्ट्रपति उम्मीदवार ने भी नहीं बनाया है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन ने अमेरिका के इतिहास में अब तक का सबसे अधिक वोट हासिल किया है। अब तक की गिनती में करीब 70 मिलियन से भी अधिक वोट पाकर जो बाइडेन ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा का भी रिकॉर्ड तोड़ दिया है। नेशनल पब्लिक रेडियो के मुताबिक, अब तक जो नतीजे सामने आए हैं, उसके अनुसार जो बाइडेन को 72,049,341 वोट मिले हैं जो किसी भी राष्ट्रपति उम्मीदवार को मिलने वाले वोटों से काफी अधिक है। इससे पहले साल 2008 में पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को 69,498,516 वोट मिले थे, जो अब तक का रिकॉर्ड था। मगर जो बाइडेन ने उनसे अधिक वोट लाकर पिछला वोट रिकॉर्ड तोड़ दिया है।

साल 1996 में बिल क्लिंटन को47401185 वोट मिले थे। फिलहाल, अमेरिका की बागडोर फिर से डोनाल्ड ट्रंप के हाथ में होगी या फिर जो बाइडेन सत्ता संभालेंगे, इसका फैसला काउंटिंग के जरिए हो रहा है। मगर अब तक के नतीजों के मुताबिक, जो बाइडेन इलेक्टोरल वोट के साथ-साथ करीब 3463182 वोटों से आगे चल रहे हैं। वोट फीसदी में भी करीब चार प्रतिशत का अंतर दिख रहा है।

एनपीआर के मुताबिक, अभी करोड़ों वोटों की गिनती बाकी है, जिसमें कैलिफोर्निया भी शामिल है। कैलिफोर्निया में अब तक करीब 64 फीसदी वोटों की गिनती हो चुकी है। हालांकि, ट्रंप को 68,586,160 वोट मिले हैं, जो ओबामा को मिले वोटों के करीब है। उम्मीद की जा रही है कि डोनाल्ड ट्रंप ओबामा को मिले वोटों के आंकड़े को छू लेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति बनने की रेस में आगे चल रहे जो बाइडेन बोले- हमें विश्वास है, हम जीतेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में वोटों की गिनती जारी है और अब तक की गिनती के मुताबिक, जो बाइडेन डोनाल्ड ट्रंप से काफी अगे चल रहे हैं। इस बीच डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जो बाइडेन ने कहा है कि मतगणना समाप्त होने पर वह राष्ट्रपति पद का चुनाव जीत जाएंगे। बाइडेन ने बुधवार को कहा, 'देर रात तक चली मतगणना के बाद यह स्पष्ट हो गया कि हम राष्ट्रपति पद के लिए जरूरी 270 इलेक्टोरल वोट हासिल कर लेंगे।' उन्होंने कहा कि वह कोई घोषणा नहीं कर रहे हैं, लेकिन उन्हें विश्वास है कि वह जीत प्राप्त करेंगे।' बाइडेन के हवाले से कहा, 'हम डेमोक्रेट के तौर पर प्रचार रहे हैं, लेकिन मैं अमेरिकी राष्ट्रपति के तौर पर काम करूंगा।' उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति का कायार्लय पक्षपातपूर्ण संस्था नहीं है। यह इस राष्ट्र का कायार्लय है, जो हर नागरिक का प्रतिनिधित्व करता है और सभी अमेरिकी नागरिकों ध्यान रखना इसका कर्तव्य है।

अगर हारने के बाद भी डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस की गद्दी छोड़ने से इनकार कर दें तो क्या होगा?

नई दिल्ली। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों के लिए वोटों की गिनती जारी है। अब तक के नतीजों में डेमोक्रेट उम्मीदवार जो बाइडेन, रिपब्लिकन उम्मीदवार व मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से काफी आगे चल रहे हैं।

हार-जीत का फैसला आने से पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन अपनी-अपनी जीत का दावा कर चुके हैं। एक ओर जहां ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह चुनाव जीत रहे हैं, मगर वोट काउंटिंग में फ्रॉड रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट जाएंगे, वहीं बाइडेन ने भी दावा किया है कि वह चुनाव जीत रहे हैं। नतीजों के बाद की कानूनी स्थिति से निपटने के लिए ट्रंप और बाइडेन अपनी-अपनी फौज के साथ तैयार हैं। ट्रंप ने अपने बयानों से जिस तरह के संकेत दिए हैं, उससे अमेरिका में इस बात का भय सता रहा है कि अगर ट्रंप चुनाव हार जाते हैं और वह आसानी से व्हाइट हाउस नहीं छोड़ने वाले हैं। अब अमेरिका समेत पूरी दुनिया में इस बात की चर्चा होने लगी है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप चुनाव हार गए और उन्होंने राष्ट्रपति पद छोड़ने से इनकार कर दिया, तब क्या होगा? हालांकि, यह कहना अभी पूरी तरह से संभव नहीं है कि ऐसी विषम और असामान्य परिस्थिति में कौन अहम रोल प्ले करेगा। मगर अगर कोई शख्स राष्ट्रपति चुनाव हार जाता है और वह व्हाइट हाउस से नहीं निकलता है तो उसे सत्ता से हटाने के लिए नवनिर्वाचित राष्ट्रपति और सीक्रेट सर्विस की भूमिका अहम हो जाती है। बिजनेस इनसाइडर के मुताबिक, अगर हारने वाला राष्ट्रपति कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी व्हाइट हाउस पर कब्जा किए रहता है, तो नव-निर्वाचित राष्ट्रपति को संभवत: उस व्यक्ति को परिसर से निकालने के लिए सीक्रेट सर्विस को निर्देश देने की शक्ति होती है। क्योंकि चुनाव के नतीजे आने के बाद कोई भी संघीय एजेंट्स या एजेंसी हारने वाले राष्ट्रपति यानी अपने पुराने अध्यक्ष को रिपोर्ट नहीं करता। यहां यह भी ध्यान देने वाली बात है कि अगर राष्ट्रपति हारने के बाद अपने पद से हटने से इनकार करता है तो उसे कानूनी तौर पर हटाने के लिए अमेरिका के संविधान में भी किसी प्रावधान का जिक्र नहीं किया गया है। अंग्रेजी वेबसाइट 'इंडिपेंडेंट' के मुताबिक, अमेरिकी संविधान में इस बात का कोई जिक्र नहीं है कि अगर कोई राष्ट्रपति चुनाव हार जाता है और अपने प्रतिद्वंद्वी को सत्ता सौंपने से इनकार कर देता है तो मौजूदा राष्ट्रपति को कैसे हटाया जाए। ऐसे में ट्रंप के हार मानने से इनकार करने पर हालत भयावह हो सकते हैं। फिलहाल, जो बाइडेन

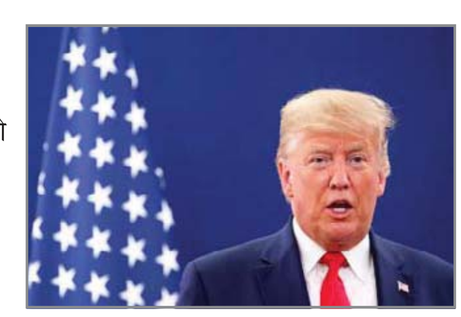

वकीलों और संवैधानिक कानून के जानकारों की फौज के साथ डोनाल्ड ट्रंप के लीगल चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार हैं। ऐसी परिस्थिति इसलिए बनती दिख रही है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप ने इमेल के जरिए वोटिंग में धांधली होने का आरोप लगाया है और इसी को आधार बनाते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने ईमेल या डाक के जरिए मतदान (मेल-इन-बैलेट) पर शक जताया है। अमेरिका में कोरोना संक्रमण के चलते इस बार पोस्टल वोटिंग होगी। बीते दिनों व्हाइट हाउस में संवाददाताओं के सवाल कि अगर आप हारेंगे तो वे क्या करेंगे पर डोनाल्ड ट्रंप भड़क उठे थे। सत्ता के शांति से विपक्षी पार्टी को सौंपने से उन्होंने एक तरह से इनकार कर दिया था। ट्रंप ने कहा था कि क्या होगा, वो देखा जाएगा। उन्होंने कहा था कि वह लगातार बैलेट को लेकर शिकायत कर रहे हैं और बैलेट्स एक डिजास्टर है। उन्होंने कहा था कि कोई सत्ता का हस्तांतरण नहीं होगा। इससे पहले जून में जो बिडेन ने एक टीवी शो में कहा था कि उन्हें यकीन है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप चुनाव हार जाते हैं तो अमेरिका के सैन्य नेता ट्रंप को व्हाइट हाउस में नहीं रहने देंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावः जो बाइडेन का संकल्प, फिर से पेरिस समझौते में शामिल होगा अमेरिका

एजेंसी, वाशिंगटन। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जो बाइडेन ने संकल्प लिया है कि उनके राष्ट्रपति बनने पर अमेरिका, जलवायु परिवर्तन पर ऐतिहासिक पेरिस समझौते में दोबारा शामिल होगा। बाइडेन ने अभी राष्ट्रपति पद के चुनाव में जीत दर्ज नहीं की है लेकिन वह धीरे-धीरे बहुमत की ओर बढ़ रहे हैं। राष्ट्रपति बनने के लिए 270 इलेक्टोरल मत प्राप्त करना आवश्यक है और बाइडेन को अब तक 264 मत मिल चुके हैं। अमेरिकी मीडिया की ओर से जारी ताजा रुझानों के मुताबिक उनके प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रंप को अब तक 214 इलेक्टोरल मत प्राप्त हुए हैं। अमेरिका ने चार नवंबर को औपचारिक रूप से 2015 के पेरिस जलवायु परिवर्तन समझौते से हाथ खींच लिए थे। बाइडेन ने बुधवार रात को ट्वीट किया, 'आज ट्रंप प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर पेरिस जलवायु समझौते को औपचारिक रूप से त्याग दिया और 77 दिन बाद बाइडेन प्रशासन इसमें दोबारा शामिल होगा।' अमेरिका ने ओबामा प्रशासन के दौरान पेरिस समझौते पर 2016 में हस्ताक्षर किया था। इससे पहले अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव में डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जोए बाइडेन ने बुधवार को कहा, 'देर रात तक चली मतगणना के बाद यह स्पष्ट हो गया कि हम राष्ट्रपति पद के लिए जरूरी 270 इलेक्टोरल वोट हासिल कर लेंगे।' उन्होंने कहा कि वह कोई घोषणा नहीं कर रहे हैं, लेकिन उन्हें विश्वास है कि वह जीत प्राप्त करेंगे।

कोरोना वायरस से जल्द ठीक होने वाले मरीजों में बनी रहती है प्रभावी प्रतिरोधक क्षमता

एजेंसी,बोस्टन (अमेरिका)। अनुसंधानकर्ताओं ने कोविड-19 के उन मरीजों के उप समूह की पहचान की है, जो जल्दी ठीक हुए और शरीर में विकसित एंटीबॉडी ने कोरोना वायरस के खिलाफ तेजी से काम किया। उनके अनुसार कुछ लोग जो कोविड-19 से जल्दी ठीक हो जाते हैं, उनमें वायरस के खिलाफ प्रभावी और लंबे समय तक लड़ने की प्रणाली विकसित होती है।

वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि इससे प्रतिरोधक प्रणाली के काम करने के तरीके की जानकारी और बीमारी के खिलाफ टीका विकसित करने में मदद मिलेगी। अमेरिका स्थित ब्रिघम एंड वुमेन हॉस्पिटल सहित विभिन्न संस्थानों के वैज्ञानिकों ने कोविड-19 के हल्के से मध्यम लक्षणों से ठीक हुए मरीजों की जांच की। उन्होंने पाया कि जहां एक ओर अधिकतर मरीजों में समय के साथ एंटीबॉडी के स्तर में कमी आ जाती है, वहीं कुछ लोगों में इस एंटीबॉडी का स्तर संक्रमण के बाद भी कई महीनों तक बना रहता है।

अनुसंधानकर्ताओं के मुताबिक पिछले अध्ययन में इस बारे में विरोधाभासी जानकारी दी गई थी। मौजूदा अनुसंधान के नतीजों को जर्नल सेल में प्रकाशित किया गया है। इसमें रेखांकित किया गया है कि लंबे समय तक कायम रहने वाले एंटीबॉडी कम समय तक लक्षण वालों में विकसित होते हैं। ब्रिघम एंड वुमेन हॉस्पिटल की सह शोधपत्र लेखक डुएने वेसिमैन ने कहा कि हमने उन लोगों के उप समूह का पता लगाया है, जिनमें कोविड-19 से ठीक होने के बाद स्थायी एंटीबॉडी विकसित हुए। इस अध्ययन में अनुसंधानकर्ताओं ने मार्च से जून 2020 तक बोस्टन के इलाके में कोविड-19 बीमारी से ठीक हुए 92 लोगों को शामिल किया। अध्ययन के मुताबिक इन मरीजों में से पांच को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जबकि बाकी का इलाज गृह एकांतवास में हुआ। वैज्ञानिकों ने बताया कि जिन लोगों में स्थायी एंटीबॉटी विकसित हुए, उनमें औसतन 10 दिन तक लक्षण रहा जबकि सामान्य एंटीबॉडी वालों में औसतन 16 दिन तक वायरस का असर रहा।

अमेरिका को चीन की धमकी, ताइवान को बेचे हथियार तो देंगे जवाब

बीजिंग। चीन ने बुधवार को संकल्प लिया कि अगर अमेरिका ताइवान को हथियार बेचने की योजना पर आगे बढ़ता है तो वह उचित और जरूरी जवाब देगा। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि ताइवान को 60 करोड़ डॉलर मूल्य के सैन्य ड्रोन की बिक्री चीन के आंतरिक मामलों में घोर हस्तक्षेप है और चीन की संप्रभुता व सुरक्षा हितों की गंभीर अनदेखी है। वांग ने संवाददाताओं के साथ दैनिक संवाद में कहा कि अमेरिका को ताइवान के साथ हुए ऐसे सभी बिक्री (हथियारों) करारों को रद्द कर देना चाहिए ताकि चीन-अमेरिका के रिश्तों को और एवं ताइवान की शांति व स्थिरता को और नुकसान से बचाया जा सके। उल्लेखनीय है कि चीन, ताइवान पर अपना दावा करता है। वांग ने कहा कि उत्पन्न होने वाली परिस्थिति के अनुरूप उचित और जरूरी जवाब दिया जाएगा। गौरतलब है कि अमेरिका के विदेश विभाग ने मंगलवार को बताया कि उसने हथियार और अन्य उपकरणों से लैस आधुनिक श्रेणी के चार ड्रोन ताइवान को बेचने की मंजूरी दे दी है।

यूरोप में बड़ा खतरा बनकर उभर रहा आईएसआईएस, कहीं पुराने दिन तो नहीं लौट रहे?

नई दिल्ली। दुनिया में सबसे ज्यादा सुरक्षित व निश्चिंत माने जाने वाले यूरोप में आतंकी संगठन आईएसआईएस बड़ा खतरा बनकर उभर रहा है।

बीते कुछ महीनों में यूरोप के कई शहरों में हमले हुए, जिनमें कई लोगों को जान गंवानी पड़ी।

फ्रांस के बाद अब ऑस्ट्रिया के विएना में भी हुए आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट ने ली है। यूरोपोल की रिपोर्ट के मुताबिक, यूरोप के भीतर कट्टरपंथियों का एक ऐसा नया गुट पनप रहा है जिसे अपने धर्म के नाम पर हिंसा करने से गुरेज नहीं।

पुराने दिन तो नहीं लौट रहे

यूरोपीय देशों वर्ष 2012 से 2017 के बीच भी तमाम आत्मघाती हमले हुए। बमों-हथियारों से लैस आतंकियों ने स्टेडियम, हवाईअड्डों व कई सार्वजनिक स्थलों को निशाना बनाया जिसमें 100 से ज्यादा लोग मारे गए। इनमें ज्यादातर ऐसे लड़ाके शामिल थे जो खुद को आईएसआईएस के समर्थक बताते थे। एक बार फिर उसी तरह के हालात पैदा हो रहे।

फ्रांस के नीस का मामला हो या फिर ऑस्ट्रिया के विएना का, दोनों जगहों पर हमला करने वालों ने खुद को आईएस का समर्थक बताया है। इस्लामिक स्टेट ने भी अमाक न्यूज एजेंसी के जरिए बयान कर आतंकी हमले की जिम्मेदारी ली। निर्दोष लोगों को गोलियां बरसाते एक आतंकी का वीडियो भी जारी किया है।

कितना बड़ा खतरा

यूरोपोल ने कुछ दिनों यूरोपीय देशों में आतंकवाद की बढ़ती घटनाओं, ट्रेंड पर एक रिपोर्ट जारी की। इसमें बताया कि कैसे महज 20-22 साल के युवा आईएस के चंगुल में फंस रहे हैं और हिंसक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

आतंकियों का मकसद, समाज में भय पैदा करना, फूट डालना, लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करना व खास वर्ग के लोगों का ध्रुवीकरण करना है। इसके लिए वे किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। एजेंसी ने कई चिंताएं भी व्यक्त की हैं।

रिपोर्ट की खास बातें

1. यूरोप के कुल 13 देशों में बीते साल 119 आतंकी हमलों की कोशिश हुई, जिनमें तमाम नाकाम कर दिए गए

2. कुल 1004 आतंकियों को गिरफ्तार किया गया, जो आईएसआईएस के समर्थक थे, या हमले की फिराक में थे

3. सबसे ज्यादा आईएस समर्थक बेल्जियम, फ्रांस, इटली, स्पेन और ब्रिटेन में आतंकरोधी एजेंसियों ने गिरफ्तार किए

4. पिछले साल भी यूरोपीय संघ में आतंकवादी हमलों के कारण दस लोगों की मौत हो गई और 27 लोग घायल हो गए

5. इस साल कम से कम 16 लोगों को इन हमलों की वजह से जान गंवानी पड़ी, सभी घटनाएं जेहादी आतंक से जुड़ी थीं

चिंता क्यों ज्यादा

1. वियना का एक हमलावर भी महज 20 साल का था, ऑस्ट्रिया में ही पैदा हुआ लेकिन इस्लामिक स्टेट के लिए लड़ने के लिए सीरिया चला गया था। पकड़ा गया, करीब 22 महीने की सजा हुई, सजा झेलकर लौटा तो फिर आंतकी गतिविधियों का हिस्सा बन गया। हमले से पहले उसने सोशल मीडिया पर एके-47 के साथ तस्वीर भी डाली। आईएस प्रमुख अबू इब्राहिम अल-हाशिमी अल-कुरैशी के प्रति निष्ठा की शपथ भी ली थी।

2. फ्रांस में भी बीते दिनों ऐसा ही हमला देखने को मिला। फ्रांस के दक्षिणी शहर ट्रेब्ज में एक बंदूकधारी ने एक सुपरमार्केट में कुछ लोगों को बंधक बना लिया और दो लोगों की हत्या कर दी। बताया गया कि हमला करने वाले शख्स ने खुद के आईएस से जुड़े होने की बात कही थी।

नौकरी की लालच देकर राजकोट की युवती से पांच शख्सों ने किया गैंगरेप

राजकोट की एक युवती को कॉर्पोरेट हाउस में नौकरी दिलाने की लालच देकर पांच शख्सों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। अहमदाबाद के महिला पुलिस थाने में मामला दर्ज होने के बाद इसकी जांच क्राइम ब्रांच को सौंपी गई हैं। जानकारी के मुताबिक राजकोट की एक युवती का गत अगस्त महीने में मालदेव नामक शख्स से संपर्क हुआ थां बाद में मालदेव ने युवती का अपने दोस्त जितेन्द्र गोस्वामी और प्रज्ञेश पटेल से परिचय करायाद्य जिसके बाद आरोपियों ने कहा कि वह बड़े बड़े लोगों को जानते हैं और उसका भविष्य बना देंगें। नौकरी की लालच देकर आरोपी युवती को अलग अलग होटलों में ले जाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म करते। इतना ही नहीं युवती को कई बार राजस्थान ले गए, जहां सेक्स पावर बढ़ाने के लिए नशीली वस्तुओं का सेवन कर युवती के साथ गैंगरेप किया। सभी आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा हैद्य मुख्य आरोपी प्रज्ञेश पटेल और जितेन्द्र गोस्वामी हाल ही में धोखाधड़ी के मामले में जेल भेजे गए हैं। जबकि मालदेव भरवाड भी सरखेज के एक मामले में जमानत पर रिहा हुआ है। युवती से गैंगरेप के मामले में अन्य दो आरोपी जैमिन पटेल और नीलम पटेल की भूमिका का पता नहीं चला है।

जिला पंचायत के भाजपा सदस्य की शराब पकड़ी गई

वडोदरा एलसीबी ने भायली गांव के एक शख्स के घर रेड पर बियर की 9 पेटियां बरामद कर ली। जांच में पता चला कि पकड़ी गई शराब भ.ाजपा के जिला पंचायत के सदस्य की है। पुलिस ने शख्स को गिरफ्तार कर लिया, जबकि भाजपा नेता को वांटेड घोषित किया है। जानकारी के मुताबिक वडोदरा एलसीबी को सूचना मिली थी कि भायली गांव की जीईबी गोदाम के निकट रहनेवाले संदीप परमार शराब की छुटपुट बिक्री करता है। सूचना के आधार पर एलसीबी संदीप परमार के घर छापा माराद्य जिसमें संदीप के घर से रु. 23760 कीमत के बियर के 216 टीन मिले। कड़ी पूछताछ में संदीप ने बताया कि उसके घर से बरामद बियर गोरधन पाटणवाडिया की है।

गोरधन ने बियर मंगवाकर उसके घर में छिपा रखी थी। एलसीबी की जांच में पता चला कि गोरधन पाटणवाडिया जिला पंचायत का सदस्य है और भाजपा से जुड़ा है। एलसीबी ने संदीप को गिरफ्तार कर लिया, जबकि गोरधन पाटणवाडिया को वांटेड घोषित कर उसकी तलाश शुरू कर दी।

जांच में सामने आया कि गोरधन पाटणवाडिया पहले भी शराब के मामले में गिरफ्तार हो चुका है।

पिछले 15 साल से भाजपा से जुड़ा पाटणवाडिया 2010 में जब भायली गांव का सरपंच था, तब उसके गोदाम पर पुलिस ने रेड की थी। गोरधन के गोदाम से शराब पकड़े के जाने बाद उसके खिलाफ पासा के तहत कार्यवाही की गई थी।

अहमदाबाद कॉर्पोरेशन का एयरपोर्ट ऑथोरिटी को प्रोपर्टी टेक्स भरने का नोटिस

अहमदाबाद एयरपोर्ट अदाणी ग्रुप को सौंपने से पहले अहमदाबाद कॉर्पोरेशन ने एयरपोर्ट ऑथोरिटी को नोटिस जारी कर बकाया सर्विस चार्ज और प्रोपर्टी टेक्स भरने का नोटिस जारी किया है। कॉर्पोरेशन के नोटिस के बाद एयरपोर्ट ऑथोरिटी में हड़कम्प मच गया हैद्य कॉर्पोरेशन ने चेतावनी दी है कि बकाया सर्विस चार्ज और टेक्स की रकम जल्द नहीं भरी गई एयरपोर्ट ऑथोरिटी के निदेशक समेत ऑफीस सील करने और जब्त करने की कार्यवाही की जाएगी। 2011 से सर्विस चार्ज और प्रोपर्टी टेक्स की रकम रु. 22.56 करोड़ पर पहुंच गई है। हांलाकि बीच में एक दफा एयरपोर्ट ऑथोरिटी द्वारा रु. 2.75 करोड़ की रकम जमा कर दी गई है और फिलहाल रु. 19.81 करोड़ बकाया है। बता दें कि अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट जल्द ही अदाणी ग्रुप को सौंप दिया जाएगा और उससे पहले कोर्पोरेशन ने एयरपोर्ट ऑथोरिटी को नोटिस जारी कर बकाया रकम भरने या अदाणी ग्रुप को एयरपोर्ट सौंपने के वक्त अंडर टेकिंग देने कि वह बकाया रकम का भुगतान कर कर देंगे।

ऐसा नहीं करने पर कॉर्पोरेशन जीपीएमसी एक्ट के तहत आगे की कार्यवाही करेगाद्य घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की कुछ जमीन केन्टोनमेन्ट की है,

आईपीएल मैच पर सट्टा खेल रहे,13 शख्स गिरफ्तार

जामनगर,शहर के हिंगलाज चौक के निकट बीती रात आईपीएल पर सट्टा खेल रहे 13 शख्सों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

साथ ही नकदी समेत रु. 51300 का माल सामान जब्त कर लिया।

जबकि सट्टा खिलाने वाले दो बुकियों को पुलिस ने वांटेड घोषित किया है।

जानकारी के मुताबिक जामनगर के हिंगलाज चौक के निकट खुले मैदान में 13 शख्स गुरुवार की रात मुंबई इंडियन और दिल्ली कैपिटल के बीच खेली जा रही मैच पर सट्टा खेल रहे थे।

इसकी भनक लगतेही पु.लिस ने अचानक घटनास्थल पर छापा मारा और शैलेष मंगे,

अशोक नंदा, दिनेश तखताणी, प्रकाश गोरी, हंसराज खीचडा, मुकेश रतडा, रमेश भद्रा, जय नागदेव, योगेश गोरी, भरत वडोर, भरत गजरा, विनु कुकडिया, भरत पढियार को गिरफ्तार कर लिया।

जबकि सट्टा खिल रहे पसा मंगे और राजु नामक शख्स को वांटेड घोषित किया है।

पुलिस ने घटनास्थल से नकदी समेत रु. 51300 का माल सामान जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू की।

सुरत महानगर पालिका स्वच्छ अभियन के साथ भष्टाचार मुक्त अभियन ?

अवैध काम BPMC एक्ट की नोटिस और भष्टाचार मुक्त अभियन ?

रेसीडेंन्सी में पूरा डिमोलिशन और इंडस्ट्रीयल में क्या मजाक ?

सार समाचार

नीतीश कटारा की मां की अर्जी पर दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र से जवाब देने को कहा

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को केंद्र से नीतीश कटारा की मां नीलम कटारा की उस अर्जी पर केंद्र से जवाब देने के लिए कहा जिसमें उन्होंने केंद्र को यह निर्देश देने का अनुरोध किया है कि वह उन्हें उत्तराखंड में सुरक्षा प्रदान करे जहां वह जल्द स्थानांतरित हो रही हैं। नीतीश कटारा की हत्या कर दी गई थी। न्यायमूर्ति विभु बाखरू ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया और उसे खतरे का आकलन करने और एक निर्णय लेने के लिए कहा। न्यायाधीश ने मौखिक रूप से कहा, ''जैसी उन्हें यहां सुरक्षा प्रदान की गई थी, उन्हें वहां भी प्रदान की जानी है।'' अदालत ने मामले को 20 नवंबर को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया, क्योंकि नीलम कटारा ने पीठ को बताया कि वह महीने के अंत में दिल्ली से देहरादून स्थानांतरित हो जाएंगी। अदालत को बताया गया कि नीलम कटारा को 2002 से यहां सुरक्षा प्रदान की गई है।

महाराष्ट्र विधानसभा के शीतकालीन सत्र की तैयारियों को लेकर नागपुर में हुई बैठक

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा के सात दिसंबर से शुरू हो रहे शीतकालीन सत्र की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को अधिकारियों और सुरक्षा कर्मचारियों की नागपुर में बैठक हुई। बैठक में विधानसभा के प्रधान सचिव राजेन्द्र भागवत, विधानभवन, नागपुर के सुरक्षा अधिकारियों और विधानसभा तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सूत्रों ने बताया कि कोरोना वायरस महामारी की समीक्षा करने और सत्र के संबंध में यह प्रारंभिक बैठक थी। यह पूछने पर कि शीतकालीन सत्र का आयोजन इस बार नागपुर की जगह मुंबई में होगा, भागवत ने कहा कि अभी तक ऐसा कोई फैसला नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि सत्र के संबंध में अंतिम फैसला कार्य मंत्रणा समिति करेगी।

अनिल विज बोले, लव जिहाद के खिलाफ एक कानून लाने पर कर रहे विचार

चंडीगढ़। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार 'लव जिहाद' पर कानून लाने पर विचार कर रही है और इस संबंध में हिमाचल प्रदेश से जानकारी मांगी गई है जिसने इस मुद्दे पर एक विधेयक पारित किया था। हिमाचल प्रदेश विधानसभा ने बलपूर्वक या प्रलोभन देकर और शादी करके धर्मांतरण के खिलाफ पिछले साल एक विधेयक पारित किया था। बल्लभगढ़ के निकिता तोमर हत्या मामले में एक ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के जवाब में विज ने कहा, 'हम हरियाणा में लव जिहाद के खिलाफ एक कानून लाने पर विचार कर रहे हैं।' गृह मंत्री ने कहा कि इस मामले में जल्द ही चालान दायर किया जाएगा और इसे फास्ट ट्रैक अदालत के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। विज ने सदन को बताया कि पीड़िता के परिजनों को सुरक्षा मुहैया कराई गई है। उन्होंने कहा कि आरोपी तौसीफ का संबंध किसी ''राजनीतिक परिवार'' से है और उसे वारदात के 12 घंटे के भीतर पकड़ लिया गया था। निकिता के परिवार ने आरोप लगाया है कि आरोपी शादी करने के लिए धर्म परिवर्तन करने का उस पर दबाव बना रहा था। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये इस समीक्षा बैठक में उन्होंने अब तक पूरी की जा चुकी बजट घोषणाओं के लिए विभागीय अधिकारियों की सराहना की तथा जिन घोषण पर काम चल रहा है और जो अभी बाकी हैं उन पर तत्परता से काम करने को कहा।

राजस्थान सरकार ने की बजट घोषणाओं की समीक्षा, 274 घोषणाओं पर काम पूरा

जयपुर। राजस्थान सरकार के मुताबिक मौजूदा वित्त वर्ष की 274 बजट घोषणाओं को पूरा किया जा चुका है जबकि 228 पर काम चल रहा है। यहां शुक्रवार को हुई एक समीक्षा बैठक में यह जानकारी दी गयी। राजस्थान के मुख्य सचिव निरंजन कुमार आर्य ने बजट घोषणाओं की प्रगति की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बजट घोषणा के तुरन्त बाद कोरोना वायरस की महामारी के कारण वित्तीय संसाधनों पर दबाव आया है जिसमें अब उत्तरोत्तर सुधार आ रहा है।

दिल्ली में बढ़ते जानलेवा प्रदूषण के बीच टास्क फोर्स ने की इमरजेंसी मीटिंग, दिए ये सुझाव

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक तरफ जहां कोरोना महामारी ने दस्तक दे रखी है वहीं अब गंभीर प्रदूषण ने भी दिल्लीवासियों का जीवन दुभर कर दिया है। बता दें कि दिल्ली में हर रोज वायु गुणवत्ता खराब होती जा रही है। बुधवार दोपहर को जहां 2 बजे से प्रदूषण को लेकर हेल्थ इमरजेंसी शुरू हुई , वह गुरूवार शाम 5 बजे तक जारी थी लेकिन इस 27 घंटों के बीच दिल्लीवासी जानलेवा प्रदूषण से कैसे बचेगी इसका किसी को अंदाजा नहीं था। इस बिगड़ती स्थिति के बीच अब गुरूवार को टास्क फोर्स ने एक मिटिंग रखी जिसमें एक एडवाइजरी को जारी करने का आदेश दिया गया। सीपीसीबी के मेंबर सेक्रेटरी डॉ. प्रशांत गार्गव ने बताया कि बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए यह मिटिंग बुलाई गई जिसमें सरकार और प्राइवेट ऑफिस को सुझाव दिए गए।
जानकारी के मुताबिक गुरूवार को सीपीसीबी ने एक सामान्य एडवाइजरी जारी की है जिसके मुताबिक सरकारी और प्राइवेट ऑफिसों को अपने यहां चलने वाली गाड़ियों में 30 फीसदी की कमी करने का सुझाव दिया है। वहीं हेल्थ इमरजेंसी के अंतगर्त अगर दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति 48 घंटों तक एसी ही बनी रहती है, तो दिल्ली–एनसीआर में ट्रकों की एंट्री पर रोक, निर्माण कार्य पर रोक लगा दी जा सकती है। वहीं ऑड–ईवन को बी लागू किया जा सकता है। साथ ही टास्क फोर्स स्कूल को बंद करने का भी फैसला उठा सकती है।

अमित शाह ने मतुआ समुदाय के सदस्य के घर किया भोजन, प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष भी रहे मौजूद

कोलकाता। (एजेंसी)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को कोलकाता के उत्तर में स्थित बगुईहाटी में मतुआ समुदाय के एक सदस्य के घर गए और वहां पर दोपहर का भोजन किया। समुदाय के एक सदस्य नवीन बिस्वास के घर जाने से पहले शाह मोहल्ले में स्थित मतुआ समुदाय के एक मंदिर में गए और वहां कुछ समय व्यतीत किया। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय, भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मुकुल रॉय और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप घोष के साथ शाह ने गौरांगनगर क्षेत्र में नवीन बिस्वास के दो मंजिला मकान में फर्श पर बैठकर दोपहर का भोजन किया।

भाजपा के वरिष्ठ नेता को एक थाली में केले के पत्ते पर शाकाहारी बंगाली भोजन परोसा गया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि रोटी, छोलार (चना) दाल, चावल, शुक्तो (प्रसिद्ध बंगाली व्यंजन), मूंग दाल, तले हुए बैंगन, चटनी परोसे गए। बिस्वास परिवार के सभी छह लोगों ने शाह के साथ खाना खाया। शाह के दौरे के पहले एहतियाती तौर पर बिस्वास ने अपने परिवार के पांच अन्य सदस्यों के साथ कोविड-19 की जांच करायी थी। बिस्वास ने कहा, ''अपने घर में केंद्रीय गृह मंत्री की मेजबानी कर मैं बहुत खुश हूं।''

भाजपा नेता के दौरे के मद्देनजर इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी थी और उनके पहुंचने के पहले सारी दुकानों को बंद करा दिया गया। पार्टी सूत्रों ने बताया कि भोजन के बाद शाह ने परिवार के सदस्यों तथा इलाके में रह रहे मतुआ समुदाय के दूसरे सदस्यों के साथ बातचीत की। अगले साल अप्रैल-मई में राज्य में विधानसभा चुनाव के पहले पार्टी के संगठनात्मक कार्यों का जायजा लेने के लिए शाह प्रदेश के दो दिनों के दौरे पर हैं। राज्य में शुक्रवार को उनके दौरे का अंतिम दिन था।

कृषि से जुड़े मतुआ समुदाय की आबादी पश्चिम बंगाल में तीन करोड़ से अधिक है और राज्य की ध्रुवीकृत राजनीति में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है। समुदाय का इतिहास पूर्वी बंगाल (अब बांग्लादेश) से जुड़ा है। बंटवारे और बांग्लादेश बनने के बाद समुदाय के कई लोग आए और पश्चिम बंगाल के उत्तरी और दक्षिण 24 परगना, नादिया, माल्दा और कूच बिहार जिलों में बस गए। राजनीतिक रूप से समुदाय के अधिकतर सदस्यों को तृणमूल कांग्रेस के समर्थक के तौर पर देखा जाता है।

फारूक अब्दुल्ला बोले, अपने लोगों के अधिकार बहाल होने तक नहीं मरूंगा

जम्मू। पिछले एक साल से ज्यादा समय में पहली बार जम्मू में अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते समय भावुक होकर फारूक अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि पूर्ववर्ती राज्य के लोगों का संवैधानिक अधिकार बहाल होने तक वह नहीं मरेंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष ने भाजपा पर ''देश को गुमराह करने'' और जम्मू कश्मीर के साथ लद्दाख के लोगों से ''झूठे वादे'' करने के आरोप लगाए। गुपकर गठबंधन घोषणापत्र (पीएजीडी) की शनिवार को होने वाली बैठक के पहले शेर-ए-कश्मीर भवन में नेशनल कॉन्फ्रेंस के कार्यकर्ताओं से अब्दुल्ला ने कहा, ''अपने लोगों के अधिकार वापस लेने तक मैं नहीं मरूंगा ...मैं यहां लोगों का काम करने के लिए हूं, और जिस दिन मेरा काम खत्म हो जाएगा मैं इस जहां से चला जाऊंगा।'' अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधानों को निरस्त किए जाने के बाद से जम्मू में अब्दुल्ला (84) की यह पहली राजनीतिक बैठक थी। अब्दुल्ला, अपने बेटे और पूर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ दोपहर में यहां पहुंचे। पिछले एक साल से ज्यादा समय में वह पहली बार जम्मू आए हैं। अब्दुल्ला ने कहा, ''हमने कभी नहीं सोचा था कि जम्मू, लद्दाख और कश्मीर को एक दूसरे से अलग कर दिया जाएगा। हालात के कारण हम पीएजीडी के गठन के समय इन क्षेत्रों के लोगों को शामिल नहीं कर पाए और अब यहां आए हैं।'' उन्होंने कहा कि अनुच्छेद 370, अनुच्छेद 35 ए को फिर से बहाल करने तथा ''काले कानूनों'' को समाप्त करने के लिए दलों नेहाथ मिलाए हैं।

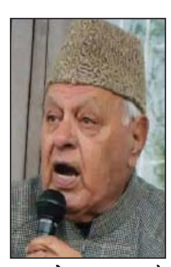

पीएम मोदी ने इटली के प्रधानमंत्री के साथ कोविड-19 के प्रतिकूल प्रभावों से निपटने के तरीकों पर की चर्चा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके इतालवी समकक्ष गुइसेप कोंटे ने शुक्रवार को द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े व्यापक मुद्दों के साथ ही कोरोना वायरस महामारी के प्रतिकूल प्रभाव से निपटने के तरीके पर चर्चा की। मोदी ने इतालवी नेता के साथ डिजिटल शिखर सम्मेलन में कहा कि यह स्पष्ट है कि कोविड-19 महामारी द्वितीय विश्व युद्ध की तरह ही इतिहास की एक ऐतिहासिक घटना रहेगी। उन्होंने कहा, ''हम सभी को इस नई दुनिया के लिए खुद को अनुकूल बनाना होगा।''

उन्होंने कहा कि महामारी से उत्पन्न होने वाली चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार रहने की आवश्यकता है। यूरोप में भारत के लिए एक प्रमुख देश इटली, यूरोपीय संघ में भारत का पांचवां सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और दोनों पक्ष कई क्षेत्रों में आर्थिक जुड़ाव का विस्तार करने के लिए उत्सुक हैं।

इटली दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं के बीच उच्च स्तर की पूरकता को देखते हुए हरित, संसाधनों के अधिकतम उपयोग वाली अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, स्वास्थ्य और फार्मा, खाद्य प्रसंस्करण, बुनियादी ढांचे और उन्नत विनिर्माण सहित व्यापक क्षेत्रों में दो-तरफा निवेश चाहता है। 2019 में द्विपक्षीय व्यापार 9.52 अरब यूरो का था। फैशन और वस्त्र, कपड़ा और वस्त्र मशीनरी, ऑटोमोटिव पुर्जे, बुनियादी ढांचे, रसायन, ऊर्जा कन्फेक्शनरी और बीमा जैसे विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित लगभग 600 बड़ी इतालवी कंपनियां वर्तमान में भारत में सक्रिय हैं।

पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-01 की लॉन्चिंग के लिए उलटी गिनती शुरू, शनिवार को 15:02 बजे होगा लॉन्च

बेंगलुरु। इसरो ने शुक्रवार को कहा कि प्रक्षेपण यान पीएसएलवी-सी49 के जरिए नौ अंतरराष्ट्रीय उपग्रहों के साथ पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-01 के सात नवंबर को होने वाले प्रक्षेपण की उलटी गिनती शुरू हो गई है। प्रक्षेपण शनिवार को 15:02 बजे निर्धारित है। इसरो ने शुक्रवार को कहा, ''पीएसएलवी-सी49/ईओएस-01 मिशनः सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसडीएससी), श्रीहरिकोटा में पीएसएलवी-सी49/ईओएस-01 मिशन के प्रक्षेपण की उलटी गिनती आज 13:02 बजे शुरू हुई।'' भारतीय ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान अपने 51वें मिशन (पीएसएलवी-सी49) के तहत नौ अंतरराष्ट्रीय विदेशी उपग्रहों के साथ ईओएस-01 को प्राथमिक उपग्रह के रूप में प्रक्षेपित करेगा। इसरो ने कहा है कि ईओएस-01 कृषि, वानिकी और आपदा प्रबंधन सहायता में प्रयोग किए जाने वाला एक पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है। दूसरे देशों के उपग्रहों को अंतरिक्ष विभाग के न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) के साथ वाणिज्यिक समझौते के तहत लॉन्च किया जा रहा है।

वायुसेना प्रमुख बोले, वायुसेना के कड़े रुख से भारत को चीन के खिलाफ मदद मिली

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया ने शुक्रवार को कहा कि चीन के साथ पूर्वी लद्दाख में गतिरोध के जवाब में भारतीय वायुसेना की 'आक्रामक' क्षमताओं और अतिसक्रिय तैनाती ने उसकी मौजूदा संचालनात्मक तैयारियों का प्रदर्शन किया और इस मजबूत रुख ने शत्रु को काफी हद तक दूर रखने में अहम भूमिका निभाई। भारतीय वायु सेना प्रमुख कहा कि पाकिस्तान में बालाकोट हवाई हमलों ने स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया कि वायु शक्ति को परिष्कृत इस्तेमाल के लिये रखा जा सकता है और पारंपरिक सीमा से परे कार्रवाई के लिये जगह बनाई जा सकती है। राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन संगोष्ठी के दौरान एयर चीफ मार्शल भदौरिया ने यह बातें कहीं। उन्होंने कहा, ÷बीते कुछ महीनों में, पूर्वी लद्दाख में गतिविधियों की प्रतिक्रिया में हमारी आक्रामक क्षमताओं की अतिसक्रिय तैनाती, वायु संपदा की तैनाती और सेना के युद्धक तत्वों को वायुमार्ग से अग्रिम इलाकों में पहुंचाने के तौर पर, ने आज वायुसेना की संचालनात्मक तैयारियों का प्रदर्शन किया।'

उन्होंने कहा कि तैनाती ने क्षमताओं के प्रदर्शन के साथ ही आवश्यकता पड़ने पर वायु शक्ति के इस्तेमाल के राष्ट्र के संकल्प को भी उजागर किया। उन्होंने कहा, 'हमारा मानना है कि हमारी अतिसक्रिय कार्रवाई और कड़े रुख ने दुश्मन को और कोई प्रयास करने से रोकने में अहम भूमिका निभाईज्हमें उम्मीद है कि चल रही वार्ता प्रक्रिया से वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति और स्थिरता बरकरार हो जाएगी।' वायुसेना ने पूर्वी लद्दाख और एलएसी पर अहम अग्रिम वायुसैनिक अड्डों पर सुखोई 30 एमकेआई, जगुआर और मिराज 2000 जैसे अपने प्रमुख लड़ाकू विमानों को तैनात कर दिया था। वायुसेना के बेड़े में हाल में शामिल किये गए राफेल लड़ाकू विमानों ने भी पूर्वी लदादाख में उड़ान भरी। बालाकोट हवाई हमले पर उन्होंने कहा कि आतंकवादी संगठनों को और कोई हमला करने से पहले 'काफी' सोचना पड़ेगा। पुलवामा में हुए आतंकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवानों के शहीद होने के बाद भारतीय विमानों ने पिछले साल 26 फरवरी को जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी शिविर पर बम बरसाए थे। भदौरिया ने कहा, 'पिछले साल फरवरी में भारतीय वायुसेना द्वारा हवाई हमले में बालाकोट में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया जाना स्पष्ट रूप से दिखाता है कि वायु शक्ति का इस्तेमाल परिष्कृत इस्तेमाल के लिये किया जा सकता है और इसने परंपरागत सीमा से परे कार्रवाई के लिये जमीन तैयार की है।' कुल मिलाकर सुरक्षा परिदृश्य के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में सुरक्षा प्रतिमानों में व्यापक बदलाव हुआ है। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रीय सीमाओं की हमारी परिजमीनी सीमा या तटरेखा आदि की शास्त्रीय परिसे इतर स्थापित हुई है। हम सीमाओं - दो सीमाओं, एक सीमा- की पुरानी परिकल्पनाओं से जकड़े नहीं रह सकते। युद्ध के तौर-तरीकों की प्रकृति और दायरे का भी विस्तार हुआ है।'

रेलवे बोर्ड के चीफ ने कहा- ट्रेन सेवाओं को बहाल करने के लिये पंजाब सरकार से 100 फीसदी सुरक्षा गारंटी की जरूरत

नयी दिल्ली। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष वी के यादव ने शुक्रवार को कहा कि रेल पटरियों पर लगे सभी अवरोधकों को हटाने में पंजाब सरकार अक्षम है और राज्य में 22 स्थानों पर अब भी प्रदर्शनकारी जमे हुये हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि प्रदेश में ट्रेन सेवाओं की बहाली के लिये राज्य सरकार से 100 फीसदी सुरक्षा मंजूरी की जरूरत है। यादव ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राज्य सरकार ने आश्वासन दिया था कि शुक्रवार की सुबह तक रेलवे पटरियों को खाली करा लिया जायेगा। किसान संगठनों ने हाल में पारित कृषि कानूनों के खिलाफ रेलवे पटरियों एवं स्टेशन परिसरों पर प्रदर्शन शुरू किया था और इस कारण राज्य में रेल सेवाएं 24 सितंबर से ही निलंबित है। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष ने कहा कि रेलवे चुनिंदा गाड़ियां नहीं चलायेगी बल्कि सभी सेवाओं को बहाल करेगी। उन्होंने कहा, ''राज्य में अब भी 22 स्थानों पर अवरुद्ध की स्थिति है। रेलवे सुरक्षा बल और प्रदेश पुलिस के साथ चंडीगढ़ में कल बैठक हुयी है और हमने उन्हें इस बात से अवगत कराया है कि वे हमें सभी ट्रेनों के लिये सुरक्षा मंजूरी दें ताकि हम एक बार में सभी ट्रेनों का परिचालन शुरू करें।'' यादव ने कहा, ''हम कुछ ट्रेनों का परिचालन शुरू नहीं करेंगे, चाहे वह मालगाड़ी हो या सवारी गाड़ी। हमने उनसे कहा है कि ट्रेनों के परिचालन के लिये उनसे हमें 100 फीसदी सुरक्षा मंजूरी चाहिए।

शाह की तुष्टिकरण वाली टिप्पणी पर बरसी टीएमसी, कहा- बंगाल में साम्प्रदायिकता का कोई स्थान नहीं

कोलकाता। (एजेंसी)।

तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर शुक्रवार को उनकी ''तुष्टिकरण टिप्पणी'' को लेकर निशाना साधा और कहा कि साम्प्रदायिक राजनीति का बंगाल में कोई स्थान नहीं है। तृणमूल कांग्रेस ने शाह के दोपहर भोजन के लिए एक मतुआ परिवार में जाने के कार्यक्रम का मखौल उड़ाया और शरणार्थी समुदाय तक पहुंच बनाने को भाजपा शासित राज्यों में पिछड़े समुदायों पर किये गए अत्याचारों से ध्यान बंटाने का एक ''चुनावी हथकंडा'' करार दिया।

शाह ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के ''खोए गौरव'' को वापस लाने की आवश्यकता पर बल देते हुए यहां दक्षिणेश्वर मंदिर के दौरे के दौरान कहा कि राज्य में ''तुष्टिकरण की मौजूदा राजनीति'' ने राष्ट्र की आध्यात्मिक चेतना को बनाए रखने की उसकी सदियों पुरानी परंपरा को चोट पहुंचाई है। भाजपा नेता शाह पश्चिम बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले संगठनात्मक गतिविधियों का जायजा लेने के लिए राज्य के दो दिवसीय दौरे पर हैं। उन्होंने बृहस्पतिवार को कहा था कि वह पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ भारी रोष को महसूस कर रहे हैं और इस सरकार के पतन की शुरुआत हो चुकी है।

तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं सांसद सौगत रॉय ने कहा, ''तुष्टिकरण की राजनीति से अमित शाह का क्या मतलब है? वह भाजपा के एक कार्यकर्ता के रूप में बोल रहे थे या देश के केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में? सरकार को सभी समुदायों के साथ समानता और सम्मान के साथ व्यवहार करना होता है। मुझे नहीं लगता कि राज्य में अल्पसंख्यकों के विकास के लिए कुछ करना एक अपराध है।'' उन्होंने सवाल किया कि शाह ने इस तथ्य को नजरअंदाज क्यों किया कि बंगाल सरकार ने दुर्गा पूजा समारोह को अनुमति दी थी, जबकि भाजपा शासित कुछ राज्यों ने इसे रद्द कर दिया था।

उन्होंने कहा, ''वह दुर्गा पूजा को अनुमति देने के राज्य सरकार के फैसले के बारे में क्यों नहीं बोल रहे हैं? क्या यह अल्पसंख्यक तुष्टिकरण था? मैं यह कहना चाहूंगा कि पश्चिम बंगाल में सांप्रदायिकता का कोई स्थान नहीं है। राज्य की जनता भाजपा की विभाजनकारी राजनीति को खारिज कर देगी।'' वहीं राज्य के मंत्री फिरहाद हाकिम ने भी शाह पर उनके द्वारा मतुआ परिवार के निवास पर दोपहर का भोजन करने के निर्धारित कार्यक्रम को लेकर निशाना साधा और कहा कि यह लोगों को मूर्ख बनाने का एक प्रयास है। हाकिम ने कहा, ''भाजपा शासित सभी राज्यों में आदिवासियों, दलितों और पिछड़े समुदायों के लोगों पर अत्याचार हो रहे हैं। हर जगह से अत्याचार की खबरें हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए मतुआ समुदाय के किसी व्यक्ति के घर पर दोपहर का भोजन करने का यह नाटक विधानसभा चुनाव से पहले एक चुनावी हथकंडा के अलावा कुछ भी नहीं है। लेकिन वह हर बार लोगों को बेवकूफ नहीं बना सकते हैं और मतुआ लोग भाजपा के दोहरे मानकों से बहुत अच्छी तरह परिचित हैं।'' मतुआ मूल रूप से पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश)से हैं और वे 1950 के दशक से पश्चिम बंगाल की ओर पलायन कर रहे हैं। मतुआ समुदाय के लोगों का पलायन अधिकतर धार्मिक उत्पीड़न के कारण हुआ है।

कोरोना के तीसरी लहर के बीच केजरीवाल बोले, मास्क लगाने का प्रचार प्रसार किसी आंदोलन की तरह करने की जरूरत

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रीय राजधानी में कोविड-19 महामारी की तीसरी लहर के बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को कहा कि कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए मास्क लगाने का प्रचार प्रचार किसी आंदोलन की तरह किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में संक्रमण की दो लहरों की तरह ही तीसरी लहर भी जल्दी ही समाप्त हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने मुंडका में पीडब्ल्यूडी की एक परियोजना का शुभारंभ करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि जिस प्रकार से लोगों ने कोरोना वायरस की पहले की दो लहर का सामना किया है वैसे ही वे तीसरी लहर का भी सामना करेंगे और यह जल्द ही समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा,'' जब तक कोरोना वायरस का कोई टीका नहीं आता तब तक मास्क को ही टीका मानें। कोरोना वायरस संक्रमण के खिलाफ यह सबसे बड़ा बचाव है। हमें मास्क लगाने का प्रचार प्रसार एक आंदोलन की तरह करने की जरूरत है।'' केजरीवाल ने कहा कि मार्च में संक्रमण प्रभावित देशों से 32,000 भारतीय लौटे, साथ ही देश के अन्य हिस्सों से लोग वापस आए और दिल्ली ने काफी मुश्किल वक्त देखा।

वायु प्रदूषण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि जनवरी से अक्टूबर माह के मध्य तक दिल्ली की वायु गुणवत्ता अच्छी रहती है, लेकिन इसके बाद पंजाब ,हरियाणा और उत्तर प्रदेश में पराली जलने के बाद यह खराब होने लगती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पराली के निस्तारण के लिए दिल्ली ने एक रसायन को विकल्प के तौर पर पेश किया है जिसे पूसा संस्थान ने विकसित किया है और जो पराली को खाद में बदल देता है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश का कोई बहाना नहीं चलेगा और पराली जलनी बंद होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर दिल्ली सरकार अथवा पूसा संस्थान उन राज्यों को रसायन दे सकता है जहां पराली जलाई जाती है। इस दौरान पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि जखीरा से दिल्ली सीमा तक रोहतक मार्ग के 13.33 किलोमीटर के मजबूतीकरण का काम अगले छह माह में पूरा होना है लेकिन वह कोशिश करेंगे कि इसे चार माह में पूरा कर लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने पहले भी समय से पूर्व और कम लागत पर विभिन्न परियोजनाओं को पूरा किया है और ऐसा इस परियोजना में भी होगा। लोक निर्माण विभाग के एक अभियंता ने कहा कि पुनर्विकास परियोजना की कुल लागत 25 करोड़ रुपये है और इसे आधुनिक तकनीक से पूरा किया जाएगा। सड़क को सबसे पहले 2011 में बनाया गया था और 2016 में इसे पुनर्विकसित किया जाना था। राज्य सरकार की ओर से जारी एक वक्तव्य में कहा गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से पैसे जारी नहीं किये गए इसलिए परियोजना को अब दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार से ले लिया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)